प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के शेर बहादुर देउबा ने शनिवार को नेपाल में संयुक्त रूप से सीमा पार यात्री ट्रेन सेवाओं, रुपे भुगतान प्रणाली का उद्घाटन किया और कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 109 दिनांक: 03-04-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

इस प्रचंड गर्मी के चलते लोग घरों में ही दुबके रहे। बुधवार को देश में सबसे अधिक तापमान महाराष्ट्र के चंद्रपुर में 442 और अकोला में 432 डिग्री सेल्सियस रहा

कर्नाटक में 'हलाल मीट' का बहिष्कार बना आंदोलन, सीएम ने लोगों से की शांति बनाए रखने की अपील

बेंगलुरु । कर्नाटक में हलाल मीट का बहिष्कार आंदोलन का रूप लेते जा रहा है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने लोगों से हलाल मीट का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है। राज्य के शिवमोगा जिले में हलाल मीट बेच रहे एक दुकानदार पर हमला करने के आरोप में बजरंग दल के आठ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार भी किया गया है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए 'उगादी' और 'होसा तड़ाकू' उत्सव मनाने की अपील की है। उन्होंने सभी जिलों के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को भी अत्यधिक सतर्कता बरतने और उत्सव में खलल डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

कर्नाटक समेत दक्षिण भारत के राज्यों में 'उगादी' हिंदू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार यह नए साल का पहला दिन होता है। इसके एक दिन बाद लोग 'होसा तड़ाकू' उत्सव मनाते हैं। होसा तड़ाकू के दौरान लोग मांसाहार भोजन पकाते और खाते हैं। दक्षिण पंथी संगठनों ने लोगों से कहा है कि वे हलाल मीट नहीं खरीदें, क्योंकि मुस्लिम पहले ही इसे अल्लाह को चढ़ा देते हैं। ऐसे में हलाल मीट बासी हो गया और उसे हिंदू देवी-देवताओं को चढ़ाना उनका अपमान करना है।

भद्रावती जिले में एक होटल में गैर हलाल मीट मांगने और नहीं देने पर हंगामा करने के आरोप में बजरंग दल के सात कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। बजरंग दल का कहना है कि राज्य के दक्षिण हिस्से में 99 प्रतिशत आबादी हिंदुओं की है। इसलिए इस क्षेत्र में हलाल मीट की बिक्री नहीं होनी चाहिए। कर्नाटक में हलाल मीट का बहिष्कार आंदोलन का रूप लेते जा रहा है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने लोगों से हलाल मीट का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है। मुख्यमंत्री बोम्मई ने शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए उगादी और होसा तड़ाकू उत्सव मनाने की अपील की है। वक्फ मंत्री ने अभियान का किया समर्थन इस बीच, राज्य की मुजराई व वक्फ मामलों की मंत्री शशिकला जोले ने कहा, 'हम हलाल मीट के खिलाफ अभियान चलाने वाले हिंदू कार्यकर्ताओं के साथ हैं। मुझे हलाल और झटका कट के बारे में जानना है। एक बार सूचना मिलने के बाद, मैं सीएम बोम्मई से बात करूंगी और वह आगे का फैसला करेंगे।'

आर्यन खान ड्रग्स केस में महत्वपूर्ण पंच गवाह प्रभाकर सैल की मौत की जांच के आदेश

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के गृहमंत्री ने आर्यन खान ड्रग्स केस में महत्वपूर्ण पंच गवाह प्रभाकर सैल की मौत की जांच का आदेश दिया है। सैल की कथित तौर पर शनिवार सुबह हार्टअटैक से मौत हो गई थी। हालांकि महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा कि एक हट्टे-कट्टे आदमी को अचानक कैसे हार्ट अटैक आ गया, यह जांच का विषय है। इसको लेकर तमाम सवाल कई लोगों ने उठाए हैं। ऐसे में जांच जरूरी है। प्रभाकर सैल को आर्यन खान ड्रग्स केस में तत्कालीन मुंबई एनसीबी निदेशक समीर वानखेड़े ने ड्रग्स बरामदगी और अन्य साक्ष्यों के लिए अहम गवाह के तौर पर पेश किया था। लेकिन उसके बाद उसने वानखेड़े और अन्य पर रिश्वत लेने का सनसनीखेज आरोप लगाया था।

प्रभाकर की मौत के बाद ड्रग्स केस फिर सुर्खियों में आ गया है। एनसीबी ने हाल ही में इस सनसनीखेज ड्रग्स केस में जांच पूरी करने के लिए कोर्ट से छह माह का और वक्त मांगा था। हालांकि समीर वानखेड़े का अब एनसीबी से तबादला हो चुका है। वहीं वानखेड़े के खिलाफ तमाम गंभीर आरोप लगाने वाले एनसीपी नेता और केंद्रीय मंत्री नवाब मलिक भी मनी लांड्रिंग से जुड़े केस में जेल में बंद हैं।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने राष्ट्रव्यापी सार्वजनिक आपातकाल लगाने की घोषणा की

इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा श्रीलंका

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने देश के इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक संकट को लेकर देशभर में जारी प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रव्यापी सार्वजनिक आपातकाल लगाने की घोषणा की है। राजपक्षे ने विशेष गजट अधिसूचना जारी कर श्रीलंका में एक अप्रैल से तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक आपातकाल लागू करने की घोषणा की। गजट अधिसूचना में राष्ट्रपति ने कहा,मेरी राय में श्रीलंका में सार्वजनिक आपातकाल लागू करना सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ समुदायों के लिए जरूरी वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति बनाए रखने के हित में है। यह कदम उस समय में भी उठाया गया है, जब आर्थिक संकट से निपटने में सरकार की नाकामी को लेकर देश में रविवार को बड़े पैमाने पर प्रदर्शन का आह्वान किया गया है।

स्वतंत्र थिंकटैंक 'सेंटर फॉर पॉलिसी ऑल्टरनेटिव्स ने आपातकाल पर टिप्पणी कर कहा, प्रतिबंधों से संविधान द्वारा प्रदत्त कुछ मौलिक अधिकार बाधित हो सकते हैं। इनमें अभिव्यक्ति की आजादी से लेकर सभा, आवाजाही, पेशा, धर्म, संस्कृति और भाषा की स्वतंत्रता शामिल है। अधिवक्ताओं ने बताया कि ये प्रतिबंध पुलिस को गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने वाले लोगों को गिरफ्तार करने की असीम शक्ति देते हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतिबंधों पर उनके क्रियान्वयन के हर 30वें दिन संसद की मंजूरी ली जानी चाहिए। आपातकाल की घोषणा उस समय की गई है, जब अदालत ने राजपक्षे के आवास के सामने प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों के एक समूह को जमानत देने का आदेश दिया है।

अधिवक्ता नुवान बोपागे ने बताया कि गिरफ्तार किए 54 प्रदर्शनकारियों में से 21 को जमानत दे दी गई है, जबकि छह को चार अप्रैल तक के लिए रिमांड पर भेजा गया है और बाकी 27 घायल अवस्था में अस्पतालों में भर्ती हैं। बोपागे कोलंबो उपनगरीय गंगोडाविला मजिस्ट्रेट की अदालत में मुफ्त सलाह देने के लिए जुटे लगभग 500 अधिवक्ताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा, यह एक बेहद अहम आदेश था। अदालत ने पुलिस से प्रत्येक प्रदर्शनकारी के हिंसक गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों की पुष्टि करने वाले सबूत पेश करने को कहा था। पुलिस ऐसा नहीं कर सकी। सरकार ने राजपक्षे के आवास के बाहर हुए प्रदर्शनों के लिए विपक्षी राजनीतिक दलों से जुड़े एक चरमपंथी समूह को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने कहा था कि वे किसी राजनीतिक समूह से प्रेरित नहीं हैं और उनका मकसद सिर्फ जनता द्वारा झेली जा रही दुश्वारियों का सरकार के स्तर पर समाधान खोजना है। प्रदर्शन के हिंसक रूप अख्तियार करने के चलते कई वाहनों को आग लगा दी गई थी और सैकड़ों लोग घायल हो गए थे।

देशभर में गर्मी से लोग हुए बेहाल, अप्रैल का महीना इन राज्यों के लिए होगा बेहद गर्म, घ्छ्‌ ने किया अलर्ट

नई दिल्ली । अप्रैल के शुरू होते ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में भंयकर गर्मी शुरू हो गई है। साथ ही देश के कई हिस्सों में लू का भी प्रकोप जारी है। देशभर के मौसम की जानकारी देते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (घ्छ्‌) के शीर्ष अधिकारी आरके जेनामणि ने बताया कि मार्च के महीने में पूरे देश में अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो अब तक का सबसे अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान 20.24 डिग्री सेल्सियस रहा। यह तीसरा सबसे अधिक है। उत्तर पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान 30.73 डिग्री सेल्सियस देखने को मिला, जो 122 वर्षों में सबसे अधिक है। इसी तरह पूर्वी उत्तर भारत में भी तापमान देखा गया है।

आइएमडी के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में शुरुआती लू चलना शुरू हो गई है। शुष्क मौसम अभी जारी रहेगा और अगले 10 दिनों तक बारिश नहीं होगी। साथ ही कहा कि अप्रैल का महीना राजस्थान, गुजरात, मध्य भारत और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के लिए अधिक गर्म होगा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार की सुबह धूप खिली और न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 51 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिनभर आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई है।

शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 36.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले दिनों आइएमडी के अधिकारियों ने कहा था कि लंबे समय तक बारिश न होने के कारण उत्तर पश्चिम भारत में गर्म मौसम की स्थिति पैदा हो गई है। दिल्ली के कुछ हिस्सों में गुरुवार को भीषण गर्मी पड़ी और अधिकतम तापमान तीन स्थानों पर 41 डिग्री को पार कर गया। मौसम विभाग ने 3 से 6 अप्रैल के बीच अलग-अलग स्थानों पर भीषण लू चलने की भविष्यवाणी की है।

यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एस्कॉर्ट मॉरीसन की उपस्थिति में, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया सरकार के व्यापार पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन तेहान ने आज भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (इंड-ऑस ईसीटीए) पर हस्ताक्षर किए।

हस्ताक्षर संपन्न होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इतने कम समय में इंडऑस ईसीटीए पर हस्ताक्षर करना दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास की गहराई को दर्शाता है। श्री मोदी ने एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करने के लिए दोनों अर्थव्यवस्थाओं में मौजूद अपार संभावना के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि यह समझौता दोनों देशों को इन अवसरों का पूरी तरह से लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा, ठयह हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।ठ प्रधानमंत्री ने कहा, ठइस समझौते के आधार पर, हम एक साथ आपूर्ति श्रृंखलाओं को और भी अधिक सशक्त बनाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के स्थायित्व में भी योगदान देने में सक्षम होंगे।ठ 'जन जन' के बीच संबंधों को भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों का प्रमुख स्तंभ बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, ठइस समझौते से हमारे दोनों देशों के बीच छात्रों, पेशेवरों और पर्यटकों के आदान-प्रदान की सुविधा होगी, जो इन संबंधों को और मजबूत करेगा।ठ

हस्ताक्षर समारोह के बाद डैन तेहान के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान अपने उद्घाटन भाषण में, श्री गोयल ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया-भारत ईसीटीए वास्तव में हमारी एकता (एकता) और सहयोग की भावना का प्रतीक है। आज भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि एक दशक के बाद एक विकसित देश के साथ यह पहला समझौता है। श्री गोयल ने कहा कि हमारे संबंध विश्वास और विश्वसनीयता के स्तंभों पर टिके हुए हैं, जो क्वाड एंड आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त करने की पहल के माध्यम से हमारे गहन भू-रणनीतिक जुड़ाव में समुचित तौर पर परिलक्षित होता है।

मोदी, देउबा ने नेपाल में रुपे भुगतान प्रणाली, यात्री ट्रेन सेवाओं का किया उद्घाटन

-यात्री ट्रेन सेवाओं का निर्माण भारत की अनुदान सहायता के तहत किया गया है

नई दिल्ली(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेपाल के समकक्ष शेर बहादुर देउबा ने शनिवार को नेपाल में संयुक्त रूप से सीमा पार यात्री ट्रेन सेवाओं, रुपे भुगतान प्रणाली का उद्घाटन किया और कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। भारत में जयनगर और नेपाल में कुर्था के बीच ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन शनिवार को दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधियों के स्तर की बैठक के बाद किया गया। यात्री ट्रेन सेवाओं का निर्माण भारत की अनुदान सहायता के तहत किया गया है। उन्होंने भारत सरकार की क्रेडिट लाइन के तहत निर्मित नेपाल में सोलू कॉरिडोर 132 केवी पावर ट्रांसमिशन लाइन और सब-स्टेशन का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा, नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल हो गया। दोनों नेताओं ने शनिवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की।

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, ठहमारी बहुआयामी साझेदारी पर व्यापक बातचीत एजेंडे में है।ठ हैदराबाद हाउस पहुंचने से पहले देउबा ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और राजघाट पर माल्यार्पण किया। शुक्रवार को भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिल्ली में देउबा से मुलाकात की। उन्होंने कहा, ठमुझे विश्वास है कि इस यात्रा से हमारे घनिष्ठ पड़ोसी संबंधों को और मजबूती मिलेगी।ठ इससे पहले देउबा ने भाजपा मुख्यालय का दौरा किया और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा से मुलाकात की। देउबा, उनकी पत्नी और नेपाल के चार कैबिनेट मंत्री नड्डा से मिले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने। बैठक करीब आधे घंटे तक चली। नड्डा ने भाजपा कार्यालय में नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा की अगवानी की।

वाणिज्यिक नीलामी के चौथे भाग के तहत 4 राज्यों की 5 कोयला खदानों की नीलामी

- कोयला मंत्रालय ने अभी तक 47 खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोयला मंत्रालय ने 16 दिसम्बर, 2021 को सीएम (एसपी) अधिनियम, 2015 के चौदहवें भाग तथा एमएमडीआर अधिनियम, 1957 के चौथे भाग के तहत वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला खदानों की नीलमी के लिए निविदा आमंत्रण टेंडर (एनआईटी) लॉन्च किया था। 31 मार्च एवं 01 अप्रैल, 2022 को एमएसटीसी प्लेटफॉर्म पर आयोजित ई-नीलामी के दौरान कुल मिलाकर पांच सीएमएसपी कोयला खदानों को नीलामी के लिए प्रस्तुत किया था। इन कोयला खानों का सारांश इस प्रकार है।

सभी पांचों कोयला खदानें पूरी तरह से अन्वेषित कोयला खदानें हैं

इन 5 कोयला खदानों के लिए कुल भू-वैज्ञानिक भंडार 665.08 मिलियन टन (एमटी) है।

इन कोयला खदानों के लिए संचयी पीआरसी 14.756 एमटी सालाना है।

वक्फ बोर्ड ने आजम के कब्जे से रामपुर की कई वक्फ सम्पत्तियां लेकर शाही खानदान को लौटाई

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश शिया वक्फ बोर्ड ने वरिष्ठ समाजवादी पार्टी नेता और विधायक मुहम्मद आजम खां के कब्जे से रामपुर की कई वक्फ सम्पत्तियां लेकर शाही खानदान को लौटा दी हैं। बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी ने शनिवार को बताया कि वर्ष 2012 में प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर तत्कालीन वक्फ मंत्री आजम खां द्वारा कब्जा की गयी थी। अब इस सिलसिले में की गयी शिकायतों की जांच के बाद रामपुर शाही परिवार की कई वक्फ सम्पत्तियां उनके असल मालिकान को लौट दी गयी हैं।

उन्होंने बताया कि बोर्ड की पिछली 31 मार्च को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। जैदी ने बताया कि खां ने अपने कार्यकाल में शिया वक्फ बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष वसीम रिजवी को निर्देशित करके किले वाली मस्जिद और एक इमामबाड़े समेत शाही परिवार की सात 'अलल औलाद' (उत्तराधिकार आधारित) वक्फ सम्पत्तियां गैरकानूनी तरीके से छीनकर वसीम खान नामक एक बाहरी व्यक्ति को उनका मुतवल्ली बना दिया था। खां ने उन सम्पत्तियों पर बने शौकत अली बाजार को अदालत का स्थगन आदेश होने के बावजूद मई 2013 में गिरवा दिया था।

इमरान की सत्ता के खतरे के बीच, पाक सेना प्रमुख का बड़ा बयान, कहा- भारत के साथ सभी विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाने को तैयार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की कुर्सी खतरे में हैं। विपक्षी पार्टियों के निशाने में आए इमरान खान अब भारत की विदेश नीति की तारीफ कर रहे हैं। इस बीच, पाकिस्तान में जारी राजनीतिक संकट के बीच सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने शनिवार को कहा कि अगर भारत इच्छा जताए तो उनका देश कश्मीर समेत विवाद के सभी मुद्दों का बातचीत व कूटनीति के जरिये समाधान निकालने के लिए तैयार है।

दो दिवसीय 'इस्लामाबाद सुरक्षा वार्ता' के समापन कार्यक्रम में जनरल बाजवा ने कहा, 'खाड़ी क्षेत्र समेत दुनिया का एक तिहाई हिस्सा किसी न किसी रूप में संघर्ष और युद्ध में शामिल है। ऐसे में यह अहम है कि हम अपने क्षेत्र से युद्ध की लपटों को दूर रखें।' वार्ता में पाकिस्तान के अलावा कई देशों के नीति विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

थलसेना प्रमुख ने कहा, 'पाकिस्तान कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने में भरोसा रखता है। अगर भारत ऐसा करने के लिए सहमत होता है, तो हमारा देश इस मोर्चे पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।' जनरल बाजवा का भारत के साथ शांति प्रस्ताव का व्यापक अर्थ है, क्योंकि वह परोक्ष रूप से भारत, पाकिस्तान व चीन की त्रिपक्षीय वार्ता की सलाह दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत-चीन सीमा विवाद भी पाकिस्तान के लिए गहरी चिंता का विषय है। सभी मुद्दों का बातचीत व कूटनीति के जरिये जल्द समाधान किया जाना चाहिए। जनरल बाजवा ने कहा, 'मेरा मानना है कि क्षेत्र में शांति व संपन्नता लाने के लिए राजनीतिक नेतृत्व को पूर्वाग्रहों से ऊपर उठना चाहिए। यह क्षेत्र के करीब तीन अरब लोगों के हित में होगा।' पाकिस्तानी सैन्य प्रमुख ने भारत पर अड़ियल रुख अपनाने का आरोप भी लगाया।

नौ मार्च को गलती से मिसाइल चलने के मामले में जनरल बाजवा ने कहा कि भारत को पाकिस्तान समेत दुनियाभर के सामने यह साक्ष्य उपलब्ध कराना चाहिए कि भारतीय हथियार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, 'यह पहला मौका है, जब किसी परमाणु शक्ति संपन्न देश की सुपरसोनिक मिसाइल दूसरे देश में गिरी है।' भारत 11 मार्च को ही खेद जताते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दे चुका है।

सैन्य प्रमुख ने कहा कि नियंत्रण रेखा पर शांति के कारण लोगों का जीवन आसान हुआ है। उल्लेखनीय है कि भारत व पाकिस्तान ने फरवरी में ही नियंत्रण रेखा समेत अन्य क्षेत्रों में संघर्ष विराम के सख्त अनुपालन की प्रतिबद्धता जताई है। जनरल बाजवा ने कहा कि पाकिस्तान के अमेरिका के साथ दीर्घ व उत्कृष्ट रणनीतिक संबंध हैं, लेकिन उनका देश गुटबाजी की राजनीति में विश्वास नहीं करता। पाकिस्तान के अपने भागीदारों के साथ द्विपक्षीय संबंध अन्य देशों के साथ संबंधों पर निर्भर नहीं करते। सैन्य प्रमुख ने कहा, 'पाकिस्तान के चीन से करीबी रणनीतिक संबंध हैं और यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के प्रति देश की प्रतिबद्धता से जाहिर होता है। दूसरी तरफ, अमेरिका हमारा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना हुआ है।' उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिका का नाम लिए बगैर विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को 'विदेशी साजिश' का परिणाम बताया है।

अमेरिका की दिलचस्पी युद्ध रोकने में कम, रूस के खिलाफ माहौल बनाने में अधिक, मध्यस्थता को आगे आए भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत यात्रा पर आए रूसी विदेश मंत्री का यह कहना महत्वपूर्ण है कि भारत रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता कर सकता है। भारत मध्यस्थ की भूमिका तभी निभा सकता है, जब रूस के साथ यूक्रेन भी इसके लिए सहमत हो। फिलहाल यह कहना कठिन है कि यूक्रेन भारत की मध्यस्थता चाहेगा या नहीं, लेकिन भारतीय नेतृत्व को इसकी संभावनाएं तो टटोलनी ही चाहिए, क्योंकि अभी तक इजरायल, तुर्की आदि ने इस दिशा में जो प्रयास किए हैं, वे नाकाम हो गए दिखते हैं।

इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि रूस के हमले के तत्काल बाद जब यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री से बात की थी, तब उन्होंने यही आग्रह किया था कि भारत रूस पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर युद्ध को रोके। यदि यूक्रेन भारत की सहायता से रूस से समझौते की इच्छा व्यक्त करे तो फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सक्रियता दिखाने में देर नहीं करनी चाहिए। यूक्रेन पर चढ़ाई करने के 37 दिन बाद भी रूसी सेनाएं वांछित लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी हैं, इसलिए शायद रूस भी यह चाहेगा कि वह किसी तरह अपना सम्मान बचाकर जंग से बाहर निकले।

निःसंदेह यूक्रेन भी तभी किसी समझौते के लिए तैयार होगा, जब उसके भी सम्मान की रक्षा होगी। रूस और यूक्रेन को सुलह की राह पर लाना एक कठिन काम है, लेकिन यदि भारत को मध्यस्थ बनने का अवसर मिले तो उसे हिचकना नहीं चाहिए। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के रवैए से यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है, तो यही कि उनकी दिलचस्पी युद्ध रोकने में कम, रूस के खिलाफ माहौल बनाने में अधिक है। अमेरिका रूस को खलनायक साबित करने के साथ ही इस कोशिश में भी जुटा है कि भारत सरीखे जो देश यूक्रेन संकट को लेकर तटस्थ रवैया अपनाए हुए हैं, वे उसके पाले में खड़े हों।

इसका पता भारत आए अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर दलीप सिंह की इस अवांछित टिप्पणी से चलता है कि यदि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करता है तो रूस बचाव के लिए आगे नहीं आएगा। पहली बात तो ऐसी भाषा कूटनीतिक मर्यादा के प्रतिकूल है और दूसरे, भारत यह नहीं भूल सकता कि दो साल पहले जब चीन ने गलवन घाटी में अतिक्रमण करने का दुस्साहस किया था तब भी अमेरिका ने बयान जारी करने के अलावा और कुछ नहीं किया था।

गाजियाबाद में नवरात्रि के मद्देनजर मांस की सभी दुकानों को बंद करने का आदेश वापस

गाजियाबाद (ईएमएस)। गाजियाबाद में नवरात्रि के मद्देनजर मांस की सभी दुकानों को बंद करने का अपना आदेश मेयर ने 12 घंटे बाद ही वापस ले लिया और कहा कि मीडिया इस बात को बढ़ा चढ़ाकर दिखा रहा है। मीट की दुकान बंद करने पर कभी न कभी हां होने से प्रशासन में असमंजस है। उल्लेखनीय है कि गाजियाबाद नगर निगम की मेयर ने एक आदेश किया कि नवरात्रों के 9 दिन तक कोई भी मीट की दुकान नहीं खुलेंगे ,जिसको लेकर एक लेटर भी जारी किया गया। इसके बाद से ही पूरे जिले की सभी मीट की दुकानों को बंद करा दिया गया।

दुकानदारों का कहना है कि मीट की दुकान आज से पहले कभी नवरात्रों को दिन में बंद नहीं हुई है। अगर बंद करनी भी हैं तो शराब की दुकानों को भी बंद किया जाए जो खुली हुई हैं । कल से रमजान के दिन शुरू हो रहे हैं तो हम लोगों को दिल्ली से मीट लेकर आना होगा लेकिन प्रशासन हमको कुछ घंटे की मोहलत दे दे कि हम लोग अपनी दुकान खोल सके ताकि लोगों को दिक्कत ना हो। हमारी दुकानों में लाखों रुपये का माल रखा हुआ है जो खराब हो जाएगा, इससे काफी नुकसान हम लोगों को होगा । एक तो वैसे ही काम धंधा नहीं है और ऊपर से अब 9 दिन तक दुकानें बंद रहेंगी तो घर कैसे चलेगा। दुकानों पर सामान लेने आए ग्राहकों ने भी बताया क्या आज से पहले कभी दुकानें बंद नहीं हुई लेकिन इस बार दुकानें बंद करा दी गई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें फिर 80 पैसे बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की है। इससे पहले शुक्रवार को राहत दी गई थी और कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था लेकिन श?निवार को पेट्रोल और डीजल के भाव में 80-80 पैसे की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दिल्ली में पेट्रोल 80 पैसे महंगा हुआ है वहीं डीजल की कीमतों में भी 80 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत अब 102.61 रुपए और डीजल की कीमत 93.87 रुपए हो गई। मुंबई में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 85 पैसे की बढ़ोतरी की गई है, जिससे पेट्रोल और डीजल की कीमतें प्रति लीटर क्रमशः 117.57 रुपए और 101.79 रुपए हो गई हैं। जबकि चेन्नई में पेट्रोल की कीमत में 76 पैसे की वृद्धि हुई है और अब यह 108.21 रुपए प्रति लीटर और डीजल 98.28 रुपए प्रति लीटर पर बेचा जा रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 84 पैसे बढ़े हैं और डीजल 80 पैसे बढ़े हैं। इसके बाद यहां एक लीटर पेट्रोल 112.19 और डीजल 97.02 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। बेंगलुरु में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 108.14 रुपए और एक लीटर डीजल की कीमत 92.05 रुपए है। इस बीच भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 115.09 रुपए और एक लीटर डीजल 98.28 रुपए पर बिक रहा है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक लीटर पेट्रोल 119.85 रुपए और डीजल 102.48 रुपए लीटर बिक रहा है। रांची में एक लीटर पेट्रोल 105.85 और डीजल 99.09 रुपए पर पहुंच गया। लखनऊ में एक पेट्रोल और डीजल क्रमशः 102.45 और 94.02 रुपए लीटर मिल रहा है।

गौरतलब है ?कि शुक्रवार से पहले गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी। 22 मार्च को करीबन 137 दिन बाद पेट्रोल डीजल के दाम बढ़े थे। तब से अब तक 12 दिनों में 10 दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। इस दौरान लगभग 7.20 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सीएनजी की कीमत में 80 पैसे प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई, जबकि पाइप से रसोई गैस की दरों में 5 रुपए प्रति क्यूबिक मीटर की बढ़ोतरी की गई।

कार्टून कोना

भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन के उत्पादन को धीमा करने की घोषणा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। हैदराबाद स्थित वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह अपने सभी विनिर्माण संयंत्रों में कोविड वैक्सीन कोवैक्सीन के उत्पादन में अस्थायी रूप से कमी लाएगी। भारत बायोटेक ने खरीद एजेंसियों को आपूर्ति दायित्वों को पूरा करने और मांग में कमी को देखते हुए अपनी विनिर्माण सुविधाओं में कोवैक्सीन के उत्पादन में अस्थायी रूप से कमी की घोषणा की है।

कंपनी आने वाली अवधि के लिए लंबित सुविधा रखरखाव, प्रक्रिया और सुविधा अनुकूलन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि चूंकि कोविड-19 के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल को पूरा करने के लिए पिछले एक साल के दौरान निरंतर उत्पादन के साथ कोवैक्सीन के निर्माण के लिए सभी मौजूदा सुविधाओं का पुनर्निर्माण किया गया था, इसलिए ये उन्नयन देय थे। इसमें कहा गया है कि कुछ उपकरण जो प्रक्रिया की कठोरता को बढ़ाने के लिए आवश्यक थे, वे कोविड -19 महामारी के दौरान उपलब्ध नहीं थे। भारत बायोटेक ने कहा हाल ही में डब्ल्यूएचओ के ईयूएल निरीक्षण के दौरान, भारत बायोटेक ने नियोजित सुधार गतिविधियों के दायरे में डब्ल्यूएचओ टीम के साथ सहमति व्यक्त की और संकेत दिया कि उन्हें जल्द से जल्द क्रियान्वित किया जाएगा। साथ ही कहा कि यह यह सुनिश्चित करने के लिए और सुधार और उन्नयन पर काम कर रहा है कि कोवैक्सीन का उत्पादन लगातार बढ़ती वैश्विक नियामक आवश्यकताओं को पूरा करता रहे।

करौली में दो गुटों में संघर्ष, पथराव और आगजनी में 42 घायल, लगाया गया कर्फ्यू

जयपुर। राजस्थान के करौली जिला मुख्यालय पर चैत्र नवरात्र के पहले दिन शनिवार शाम को हिंदूवादी संगठनों द्वारा निकाली जा रही बाइक रैली पर पथराव के बाद उपद्रव हो गया। दो समुदाय आमने-सामने हो गए। एक समुदाय विशेष के लोगों ने दूसरे समुदाय की आधा दर्जन दुकानों को आग के हवाले कर दिया। दो घरों में भी आगजनी की सूचना है। कुछ दुपहिया वाहनों को जला दिया गया। तनाव के हालात का देखते हुए शहर के कर्फ्यू लगा दिया गया है। जिला कलेक्टर राजेन्द्र सिंह शेखावत ने रविवार रात 12 बजे तक जिले में इंटरनेट बंद करने के आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा कि तनाव के बाद इंटरनेट मीडिया पर अफवाह फैलने की आशंका को देखते हुए इंटरनेट बंद करने का निर्णय लिया गया है। पुलिस ने उपद्रव करने वाले ढ़ाई दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि पुलिस को उपद्रवियों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि नव संवत्सर के मौके पर हिंदूवादी संगठनों की ओर से शहर में बाइक रैली निकाली जा रही थी ।रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जैसे ही हटवाड़ा बाजार में पहुंचे तो कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया । इसके बाद दोनों समुदाय आमने-सामने हो गए । पथराव चार पुलिसकर्मियों सहित 42 लोग घायल हो गए । घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर होने पर जयपुर के सवाईमानसिंह अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। पथराव के कारण बाजार अफरा-तफरी मच गई। व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दीं। आगजनी के बाद आधा दर्जन दुकानें पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। पद्रव के बाद पुलिस बल मौके पर पहुंचा,लेकिन उपद्रव को शांत करवाने के प्रयास नाकाम रहे । इस पर लोगों में नाराजगी ज्यादा बढ़ गई। हालात अभी तनावपूर्ण बने हुए हैं। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार नव संवत्सर पर निकाली जा रही बाइक रैली को ध्रुव घटा संत हरेन्द्र नाथ सरस्वती ने रामस्नेही कीर्ति राम आदर्श विधा मंदिर के लिए रवाना किया था। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से हो कर गुजर रही थी। शामको हटवाड़ा बाजार पहुंची तो पथराव हो गया।

जन हितैषी

जल का दोहन

दुनियाभर में आधुनिक जीवनशैली ने भूगर्भीय जल के दोहन को तो बेलगाम तरीके से बढ़ा दिया है, लेकिन उन तमाम जल संसाधनों के संरक्षण के प्रति भी उदासीन कर दिया है जो भूगर्भीय जल का स्तर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत में तो इस संदर्भ में कुंओं, तालाबों और जोहड़ों का विशेष योगदान था, जो वर्षा जल संग्रहित करके रखते थे और इस तरह इलाके के भूगर्भ जल स्तर को बनाए रखने में मदद करते थे। राजस्थान के मरुस्थलीय इलाकों में इतने गहरे कुंए पाए जाते हैं कि उन्हें पातालतोड़ कुंआ कहा जाता है। दुर्भाग्य से जिन इलाकों में नलों के माध्यम से पानी पहुंच गया, वहां नागरिक और प्रशासन दोनों प्राचीन जल संसाधनों के संरक्षण के प्रति उदासीन हो गए। रही-सही कसर पूरी कर दी बिना नियंत्रण के खुदते नलकूपों ने, जो धरती के अंदर का पानी तो बाहर उलीच देते हैं, लेकिन धरती के अंदर पानी का स्तर बचाए रखने में भूमिका नहीं निभा पाते। मिसाल के तौर पर, कुछ समय पहले राजस्थान सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी भूगर्भीय जल के दोहन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के पूर्व स्वीकृति के उपबंध को समाप्त कर दिया। बुंदेलखंड में हर वर्ष पानी का संकट सामान्य जीवन को अस्त-व्यस्त कर देता है। पानी के लिए हिंसक झड़पों की खबरें तो 2020 की ग्रीष्म ऋतु में भी सामने आईं, लेकिन मीडिया में उनकी चर्चा कम हुई। जल संकट की खबरें भले ही पाश्र्व में चली गई हों, लेकिन मनुष्यता के लिए पानी के संरक्षण की चिंता सबसे ज्वलंत मुद्दों में एक है। इसका बड़ा कारण यह है कि अपनी जल संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मनुष्य आज भी या तो प्रकृति पर निर्भर है या भूजल पर। ऐसे में जरूरी है कि हम प्राकृतिक जल भंडारण के स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील होते। लेकिन हमने परंपरागत जल स्त्रोतों के साथ बहुत सौतेला और स्वार्थ भरा बर्ताव किया। पुराने तालाबों, कुंओं, झीलों, बावडियों और कुंडों को उपेक्षित छोड़ दिया। नदियों को प्रदूषित कर दिया। स्थिति यह है कि देश की अधिकांश नदियों का पानी कई जगहों पर पीने योग्य तक नहीं पाया गया है। केंद्रीय भू-जल बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 2007 से 2017 के बीच भूगर्भ जल के स्तर में 61 प्रतिशत की गिरावट आई। हालत यह हो गई कि कई नदियों के किनारे बसे गांवों में भी लोगों को पेयजल की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। महत्वपूर्ण यह है कि सारी दुनिया में भूगर्भ जल का प्रयोग करने के मामले में भारत अव्वल है। चीन और अमेरिका का स्थान क्रमशः दूसरा और तीसरा है। आईआईटी खडग़ुपर और कनाडा के अथाबास्का विश्वविद्यालय की एक संयुक्त शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय औसतन प्रतिवर्ष 230 घन किलोलीटर जल का उपयोग करते हैं। यह आंकड़ा वैश्विक एजेंसियों द्वारा मनुष्य समुदाय के लिए आवश्यक माने गए जल उपयोग के मानदंडों से अधिक है। माना यह भी जाता है कि एक निश्चित सीमा के बाद यदि जल का उपयोग किया जाता है, तो वह वस्तुतः उपयोग नहीं होता, बल्कि दुरुपयोग है। हम दुरुपयोग को तार्किकता की कसौटी पर सही बताने के तरीके भले निकाल लें, लेकिन यह स्थिति डराती है। खासकर तब, जब नीति आयोग की जल प्रबंधन सूचिका का यह आंकड़ा पढ़ते हैं कि देश के 75 प्रतिशत घरों में आज भी जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था नहीं है। स्पष्ट है कि इसमें अधिक संख्या वंचित तबके की है। संपन्न वर्ग की सुविधाभोगी आदतों से जन्में संकट का सामना इसी वर्ग को करना होता है। कहते हैं कि प्रकृति के पास सब प्राणियों की जरूरत को पूरा करने योग्य संसाधन हैं, लेकिन वह लालच किसी का भी पूरा नहीं कर सकती। दुर्भाग्य से जल उपयोग के संदर्भ में मनुष्य जाति का व्यवहार लालची भी हुआ और लापरवाह भी। नदियों की शुचिता को प्रदूषण ने चुनौती दी तो कुंए, बावड़ी, कुंड, जोहड़ और तालाब जैसे परंपरागत जलस्त्रोत जमीन की लगातार बढ़ती भूख या अनदेखी के शिकार होते चले गए। वर्षा जल संग्रहण के जो परंपरागत साधन थे, आधुनिक जीवनशैली ने उन्हें भी अप्रासंगित मान लिया। हम जल के उपलब्ध भंडारण के संरक्षण के प्रति सचेत हों और वर्षाजल के संग्रहण के प्रति सजग रहें।

हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा

यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है जिसमें देश -विदेशों से आये करीबन 25 से 30 लाख श्रृद्धालु शामिल होते है। इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कव के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगो को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला । श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन बाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गई। कहते है कि मंदिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वंय भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी। श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम जाने जाते थे तथा पान्डव भीम के पुत्र घटोत्कच्छ और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान यौद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो कि उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे। कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हुये तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मॉ से आर्शीवाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणो के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की ओर अग्रसर हुये। सर्वप्यापी कृष्ण ने ब्राहा्रण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिए उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणो को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोको में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हे चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रो को छेद कर दिखलाओ, जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौत स्वीकार कर और अपन तुणीर से एक बाण निकाला और इश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की ओर चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तो को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा क्योंकि एक पत्ता उन्होने अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिए वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस ओर से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मॉ को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल हो और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे। कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है और इस पर अगर बर्बरीक ने उसका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा। ब्राहा्रण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की, इस वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा । तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीष का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राहा्रण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुनकर बालक ने उनके विराट रूप में दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखलाया। उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमी की पूजा के लिए एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यकता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बडे वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की वह अत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होंने अपने शीश का दान दिया। (लेखक - विष्णु अग्रवाल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7244

बाएँ से दाएँ

1.साले की पत्नी-4
3.उच्च कुल का -3
5.पाताल-4
8.व्यंग,चुटीली बात-2
10.दुख,कष्ट-2
11.शराब का प्याला-2
13.सत्य,तेज-2
14.जुड़वा-3
15.विश्राम,राहत-3
17.मक्का-मदीना की यात्रा-2
19.झुका हुआ-2
20.टैक्स,हाथ-2
21.होठ,अधर-2
23.सुरक्षित-4
25.नाश,विनाश,विध्वंस-3
26.निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1.नदी-3
2.संपत्ति,धन-2
3.वंश,खानदान-2
4.उत्तमता,परिष्कृतता-4
6.समुद्र,दरिया-3
7.अंधकार-2
9.जो जायज न हो-4
12.संस्कृत में 'मेरा'-2
13.सपाट- 4
16.जांघ-2
17.पैगंबर,महापुरुष-4
18.रनिवास (उर्दू-3)
20.हुनर,फन-2
22.देह,काया-3
23.गलत का विलोम -2
24.निश्चित-2

शब्द पहेली - 7243 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

युद्ध की विभीषिका की भेंट चढ़ता बचपन

दुनिया में शांति सिर्फ बुद्ध के रास्ते से आएगी युद्ध से नहीं।युद्ध का सबसे बुरा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। पूरे विश्व भर में अब तक हजारों बेजुबान मासूम युद्ध की भेंट चढ़ चुके हैं। ग्लोबल मंच पर बाल अधिकार की बात करने वाली संस्थाएं हाथ बांधे खड़ी हैं। यूक्रेन और रूस के मध्य छिड़ी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे हालात में संयुक्तराष्ट्र संघ, यूनिसेफ और नाटो जैसी वैश्विक संस्थाओं का फिर मतलब क्या है। अभी तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दुनिया के सबसे ताकतवर नेता के रूप में उभरे हैं। उनकी जिद के आगे संवैधानिक वैश्विक संस्थाएं बेमतलब साबित हुई है। दुनिया भर के मुल्कों ने पुतिन से युद्ध रोकने की अपील कि लेकिन उन्होंने किसी को तवज्जो नहीं दिया। संयुक्तराष्ट्र संघ, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय और नाटो जैसी संस्थाएं, यूरोपीय संघ सारे प्रतिबंध लगाने के बावजूद भी पुतिन को युद्धविराम के लिए नहीं मना सकीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जोबाइडन भी यूक्रेन और रूस के मध्य नहीं आना चाहते। सिर्फ बंदरघुड़की से काम चलाना चाहते हैं जबकि यूक्रेन बर्बाद हो रहा है।

यूक्रेन और रूस की जनता कभी भी युद्ध नहीं चाहती थी। लेकिन दोनों राजनेताओं ने देश को युद्ध की विभीषिका में ढकेल दिया। संभवत है इसका एहसास ब्लादीमरी पुतिन और जेलेंस्की दोनों कर रहे होंगे। युद्ध की विभीषिका से उबरने के बाद पुतिन और जेलेंस्की के हाथ में क्या होगा इस पर भी उन्हें विचार करना होगा। क्योंकि पुतिन के फैसले के खिलाफ रूस में भी आम नागरीकों ने प्रदर्शन किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति की पत्नी ओलेना ने रूसी सैनिकों की माताओं से एक मार्मिक अपील की है। उन्होंने लिखा है देखिए आपके बेटे किस तरह हमारे पति, बच्चे और भाइयों का कत्ल कर रहे हैं। कोई भी मां किसी बच्चे को इस तरह कत्ल होते नहीं देख सकती। रूसी हमले में अब तक 144 से अधिक मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है जबकि ढाई सौ से अधिक बच्चे घायल हुए हैं। युद्ध की विभीषिका का असर रूस और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ेगा। क्योंकि यूरोपीय संघ ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। युद्ध के खात्मे के बाद चीन और भारत वैश्विक प्रतिबधों को किनारे कर रूस कि कितनी मदद करते हैं यह भविष्य के गर्त में है।

यूक्रेन के जिन बेगुनाह मासूम बच्चों के हाथों में खिलौने, किताबें और सपने होने चाहिए उन्हें दर्दनाक मौत मिल रहीं है। रूसी हमले में उनके स्कूलों को तबाह कर दिया गया है। अस्पताल खंडहर में तब्दील हो गए हैं। मां-बाप की मौत से तमाम बच्चे अनाथ हो गए हैं। लेकिन दुनिया यह सब मौन होकर देख रही है। सेव द चिल्ड्रन की एक रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन के 60 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा हुआ। 464 स्कूल तबाह हो गए हैं। अस्पतालों में इलाज की सुविधा बंद हो गई। युद्ध की वजह से यूक्रेन के 75 लाख बच्चों में 15 लाख ने देश छोड़ दिया है। अभी तक युद्ध का खतरा टला नहीं है। संयुक्तराष्ट्र संघ और दुनिया यूक्रेन की बर्बादी पर कुछ नहीं कर पायी हैं। अगर यह स्थिति रूस के साथ होती तो किस तरह के हालत होते।

सेव द चिल्ड्रन रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन में 80 हजार बच्चे जो मां के गर्भ में है उन्हें जन्म लेना है। इस जंग की हालात में किस तरह से उन्हें मैटरनिटी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी उस स्थिति में जब अस्पताल ध्वस्त हो चुके हैं दवाओं और दूसरी सुविधाओं का अकाल है। क्या यह मातृत्व और बाल अधिकारों पर कुठराघात नहीं है। यूनिसेफ और संयुक्तराष्ट्र ने क्यों मुंह को सील लिया है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के युद्ध रोकने के फैसले के बाद भी युद्ध नहीं रुक रहा है। युद्ध किसी समस्या का हल नहीं। एक युद्ध भविष्य में कई युद्ध की आधारशिला रखता है।

सवाल सिर्फ यूक्रेन और रूस के युद्ध का नहीं। सीरिया अफगानिस्तान, यमन, इराक और सोमालिया जैसे देशों का भी है। यहां लाखों बच्चे युद्ध की भेंट चढ़ गए हैं। लेकिन बच्चों के अधिकारों को लेकर पूरी दुनिया मौन है। नार्वे के पीस रिसर्च इंस्टीटयूट के अनुसार तीन साल पूर्व यानी 2019 में 160 करोड बच्चे युद्ध के इलाकों में रह रहे थे। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार सीरिया में युद्ध के दौरान हर 10 घंटे में एक बच्चे की मौत हुई। जबकि इस दौरान 10 लाख से अधिक बच्चों ने जन्म लिया। युद्ध में 5427 बच्चों की मौत हुईं। अफगानिस्तान में साल 2018 तक पांच हजार बच्चों की युद्ध में मौत हुई। इस दौरान हजारों लोग शरणार्थी बने। लाखों की संख्या में बच्चों को पढ़ाई छोड़नी पड़ी। यहां हर 10 मिनट में एक बच्चे की बीमारी से मौत हुई। युद्ध के दौरान यहां 1427 बच्चों की मौत हुई। यहां चार लाख से अधिक बच्चे कुपोषण के शिकार हो गए । युद्ध की वजह से 20 लाख बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे है। 17 लाख बच्चों के परिवारों को विस्थापित होना पड़ा।

सोमालिया में 1991 के दौरान युद्ध के शुरुआती नौ महीने में अट्ठारह सौ बच्चों की मौत हुई। 1278 बच्चों का अपहरण हुआ। 10 में से 6 बीमार बच्चों को इलाज तक की सुविधा उपलब्ध नहीं मिल पायी। इराक में अमेरिकी सेना की कार्रवाई के दौरान साल 2003 से साल 2011 के बीच काफी बच्चों की मौत हुई। युद्ध की वजह से बच्चों को अस्पताल में इलाज तक की सुविधा नहीं मिल पायी और उनकी मौत हो गई। दुनिया भर में युद्ध ग्रस्त इलाकों में बाल अधिकार हाशिए पर हैं। जिम्मेदार संस्थाओं की तरफ से इस मसले पर उचित कदम नहीं उठाए गए। यूनिसेफ जैसी संस्थाओं की तरफ से सिर्फ आंकड़े पेश किए गए। संयुक्तराष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं को इस पर व्यापक रणनीति बनानी चाहिए। युद्ध क्षेत्रों में लाखों बच्चों को उनका अधिकार हासिल होना चाहिए। बाल अधिकार को लेकर दुनिया के देशों को एक मंच पर आना चाहिए। जिम्मेदार संस्थाओं को इस पर नीतिगत निर्णय लेना चाहिए। (लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल/ईएमएस)

हमारी संस्कृति, सभ्यता और नववर्ष का उत्साह

दुनिया का नया साल और हिन्दू सभ्यता के नए साल में अंतर है। हमारा नव संवत्सर हमारी संस्कृति, सभ्यता, मौसम के बदलाव और ग्रह- नक्षत्रों की चाल से जुड़ा है। देखा जाए तो किसी सभ्यता का अपनी संस्कृति से जुड़ाव का ये सबसे सही उदाहरण है। कहा जा सकता है कि हम विचारों और पोषाक से कितने भी आधुनिक हो जाएं, पर हमारे संस्कार हमें जड़ों से जोड़े रखते हैं और नव संवत्सर का उत्साह उसी का प्रमाण है।

हमारे देश की खूबसूरती हमारी संस्कृति में झलकती है। हमारे तो व्रत त्यौहार, ग्रह नक्षत्र यहां तक कि मौसम परिवर्तन भी प्रकृति से जुड़े हुए है। जैसे बगिया में अलग - अलग रंगों के फूलों से उसकी शोभा लाख गुना बढ़ जाती है, उसी प्रकार हमारे देश में भी विभिन्न संस्कृति परम्परा को मानने वाले लोग देश की खूबसूरती को सुशोभित करते है। यहां हर त्यौहार का अपना अलग महत्व है, प्रकृति भी हर उत्सव में अपना योगदान देती है। जिस तरह मौसम में परिवर्तन होता है उसी तरह हमारे मन मस्तिष्क में भी परिवर्तन होते है। वर्तमान दौर में देश की आबोहवा बदल रही है। पश्चिमी संस्कृति हमारे संस्कारों का गला घोंट रही है।

दुर्भाग्य देखिए कि हम एक और तो विश्वगुरु होने का दम्भ भरते हैं , स्वदेशी की बात भी करते है लेकिन अपनी ही संस्कृति को छोड़ पश्चिमी संस्कृति और रहन सहन की ओर बढ़ रहे है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसी क्या वजह है जो हम अपने संस्कृति को ही बिसार रहे हैं? भारतीय नववर्ष की गरिमा प्रतिष्ठा की महत्ता समाज में स्थापित करने के लिए स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि यदि हमें गौरव के साथ जीने का भाव अपने आप में जगाना है और अपने अंतर्मन में राष्ट्र भक्ति के बीजों को पल्लवित करना है, तो राष्ट्रीय तिथियों की ओर बढ़ना होगा।

आज हम आधुनिकता की अंधी दौड़ में भागे जा रहे है। अंग्रेजी सभ्यता में गुम होकर अपने गौरव व सांस्कृतिक मूल्यों को खोते जा रहे है। हम बात तो हिंदू व हिंदुस्तान की करते है पर अफ़सोस की हम चलते अंग्रेजों की राह पर ही है। हमारे समाज के बुद्धिजीवी वर्ग भी आज आधुनिकता के नाम पर अपने मूल्यों को खोते जा रहे है। लेकिन, हमारा दुर्भाग्य देखिए कि हम अपने महापुरुषों की कही बातों को भूलते जा रहे हैं। आज हमारा समाज पिछड़ता जा रहा है, क्योंकि हम अपने मूल्यों को बिसार रहे हैं। लोग भले ही अपने मूल्यों अपनी परम्पराओं को भूल जाए, लेकिन प्रकृति अपने मूल्यों को कभी नही बिसारती। यही वजह है कि पश्चिमी देश भी शांति की चाह में भारत का ही रुख करते है। यहां तक कि हमारी योग परम्परा से भी जुड़ रहे है।

अमेरिका जैसे देशों में तो अध्यात्म और शाकाहार जैसे विषयों पर अध्ययन तक शुरू कर दिया गया है। वहीं हमारे देश में आधुनिकता की आड़ में फूहड़ता का नंगा नाच किया जा रहा हैं। भौतिक विकास की अंधी दौड़ में हमे देर से ही सही पर यह अहसास जरूर हुआ कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में क्या क़ीमत चुकाई हमने। पेड़ काटकर कंक्रीट के महल तो जरूर बना लिए पर इन महलों में भी दो पल सुकून न मिला।

आजादी के बाद हम परतंत्रता की जंजीरों से तो मुक्त हो गए। पर सुविधा के नाम पर अपनी सभ्यता व संस्कृति को भी विसार रहे है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात नवंबर 1952 में वैज्ञानिक और औद्योगिक परिषद के द्वारा पंचांग सुधार समिति की स्थापना की गई। समिति ने 1955 में अपनी रिपोर्ट पेश की। जिसमें विक्रमी संवत को स्वीकार करने की सिफारिश की थी। किंतु, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के आग्रह पर अंग्रेजी कैलेंडर (ग्रेगेरियन) को ही सरकारी कामकाज के लिए उपयुक्त मानकर 22 मार्च 1957 को इसे राष्ट्रीय कैलेंडर के रूप में स्वीकार कर लिया गया। तर्क दिया गया कि जब संसार के अधिकतर देशों ने इसे स्वीकार कर लिया तो हमें भी दुनिया के साथ चलना चाहिए। हमने सुविधा को आधार मान राष्ट्रीय गौरव से समझौता कर लिया। वहीं आज भी बांग्लादेश और नेपाल का सरकारी कैलेंडर विक्रम संवत ही है।

भारतीय नववर्ष की महत्ता निराली है। इसकी शुरुआत ही एक ऐसे दिन से होती है जब प्रकृति अपने पुराने वस्त्रों को त्याग कर नया श्रृंगार करती हैं। प्रकृति अंकुरित व पुष्पित होने की प्रकिया में होती है। खेतो में फसल तैयार हो चुकी होती है। शीत ऋतु अपने समाप्ति पर होती है तो वहीं ग्रीष्म ऋतु का आगमन होता है। भले ही हमारे नववर्ष की शुरुआत अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मार्च अप्रैल के महीने में हो लेकिन इसका प्राकृतिक व सांकृतिक महत्व कही कम नही है। फिर सवाल यह उठता है कि हम क्यों पश्चिमी संस्कृति की ओर बढ़ रहे हैं? क्यों अंग्रेजी नव वर्ष को महत्व देते है जो हमारी ही संस्कृति को अपना कर आगे बढ़ रहा है। मैं यह नही कहती कि हम दूसरों की संस्कृति और सभ्यता का अपमान करें। हम तो उस संस्कृति से आते है जहां बहुजन हिताय बहुजन सुखाय का शोर गूँजता है। लेकिन, इसका ये मतलब कतई नहीं कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी ही संस्कृति को भूला दे। हिन्दू धर्म वैज्ञानिक जीवन पद्धति पर आधारित है। हर परम्परा के पीछे वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। जिसे हम देख कर भी अनदेखा करने की भूल करते है। हिन्दू धर्म 'जियो ओर जीने दो' के सिद्धांतों पर आधारित है।

इसके अलावा भारतीय नववर्ष का ऐतिहासिक पहलू देखे तो दो हजार वर्ष पहले शकों ने सौराष्ट्र और पंजाब को रौंदते हुए अवंतिका पर विजय प्राप्त की थी। विक्रमादित्य ने राष्ट्रीय शक्तियों को एक सूत्र में बांधकर ईसा पूर्व 57 में शकों पर भीषण आक्रमण कर विजय प्राप्त की। इसी सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर भारत में विक्रम संवत प्रचलित हुआ। उल्लेखनीय है कि भारतीय नववर्ष के पौराणिक महत्व को देखें तो यह सृष्टि रचना का प्रथम दिन है। इसी दिन प्रभु राम ने लंका पर विजय प्राप्ति के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिए इस दिन को चुना था। इस दिन माँ शक्ति की आराधना की जाती है। एक ओर हम सांकृतिक होने का दम्भ भरते है तो वही दूसरी औ- अपने गौरवशाली इतिहास और परपंरा से दूर हो रहे है। आज हमारे देश वासियों को यह समझना होगा कि आधुनिकता का कतई मतलब नही की हम अपनी संस्कृति का गला घोंट दे। आज देश को अपने मूल्यों को समझना होगा तभी हम विश्वगुरु बन सकते और विश्व का नेतृत्व कर सकते। जब विश्व हमारी परंपरा में अपना वजूद बचाने की तलाश करता फ़िर हम दूसरे के पीछे क्यों भगाते? हमें इसे सोचना होगा। हम अपने अतीत को भुलाकर बेहतर भविष्य के सपने नहीं गढ़ सकते हैं। (लेखक - सोनम लववंशी / ईएमएस)

आज का इतिहास 3 अप्रैल

1512 तुर्की के सुल्तान बेयाजिद द्वितीय ने अपने बेटे सलीम प्रथम के लिए गद्दी छोड़ी.
1559 फ्रांस और स्पेन के बीच शांति संधी हुई.
1680 शिवाजी का निधन रायगढ़ किले में हुआ.
1693 स्वीडन नरेश चार्ल्स 12वें ने स्वयं को सर्वशक्तिमान घोषित किया.
1783 अमेरिकी लेखक वाशिंग्टन इर्विंग का जन्म.
1857 विक्टोरिया भारत की महारानी घोषित की गई.
1914 भारतीय सेना के प्रथम फील्ड मार्शल एस. एच. एफ. जे. मानेकशा का जन्म हुआ.
1941 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश फौजों नें लोबियाई बंदरगाह बेनगाजी खाली किया.
1948 अमेरिका ने यूरोप के सोलह देशों को सहायता के लिए 5.33 अरब डालर की मंजूरी दी.
1966 भारत के प्रथम कम्प्यूटर ने काम शुरू किया.
1979 पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को देर रात फांसी दे दी गई.
1988 इराक ने ईरान के दो तेल शोधकों पर हमले किए.
1999 भारतीय उपग्रह इन्सैट-2ई का कोरू (फ्रेन्च,गुयाना) में सफल परीक्षण.
2000 कश्मीर घाटी के अनंतनाग शहर में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की गोलीबारी से सात मरे.
2005 पोप जॉन पाल द्वितीय के निधन पर भारत सरकार ने राष्ट्रीय शोक की घोषणा की.

दैनिक पंचांग

03 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.28 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.08 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.06 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.19 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.36 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	16.48 बजे से
शनि	मकर में	तुला	18.58 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.13 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.29 बजे से
राहुकाल		मकर	01.34 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		कुंभ	03.21 बजे से
		मीन	04.53 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 93 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 12.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 12.37 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 07.52 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.39 बजे तदनन्तर तैतिल 01.13 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 01.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 13'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871207
जूलियन दिन 2459672.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रमजान
तारीख 01
विशेष सिंधारा दोज, मत्स्य जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आईपीएल में सबसे तेज 150 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे रसल

मुंबई (ईएमएस)। पंजाब किंग्स के खिलाफ कोलकाता नाईट राईडर्स के ऑलराउंडर आंद्रे रसल की धमाकेदार बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया है। रसल जब बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर आए तो कोलकाता के 51 रन पर 4 विकेट गिर चुके थे। इस जगह से मैच पंजाब जीतती नजर आ रही थी। पर यहां से आंद्रे रसल की ऐसी आंधी की आई कि पूरी पंजाब की टीम उसमें उड़ गई।

आंद्रे रसल ने पंजाब के खिलाफ 8 छक्के लगाए और नाबाद 70 रन बना दिए। इस पारी के साथ रसल ने अपने नाम रिकॉर्ड भी कर लिए हैं। आंद्रे रसल अपनी तूफानी पारी के दौरान आईपीएल में सबसे तेज 150 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। आंद्रे रसल ने 72 पारियों में 150 छक्के पूरे किए हैं। वहीं क्रिस गेल ने 150 छक्के लगाने के लिए मात्र 55 पारियां ही ली थी और वह इस लिस्ट में टॉप पर हैं।

आईपीएल में एक पारी में सबसे ज्यादा बार 5 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में क्रिस गेल सबसे ऊपर हैं, उन्होंने 29 बार यह कारनामा किया है। उनके बाद एबी डिविलियर्स का नाम आता है, जिन्होंने 19 बार ऐसा किया है। इसके बाद किरोन पोलार्ड 13 बार, शेन वाटसन 11 बार, आंद्रे रसल और रोहित शर्मा ने 10 - 10 बार यह कारनामा किया है।

सम्पादकीय

खेल - समाचार

2011 क्रिकेट विश्व कप जीत को 11 साल पूरे, याद कर भावुक हुए सचिन, रैना और युवी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय टीम के 2011 क्रिकेट विश्व कप जीत को 11 साल पूरे हो चुके हैं। सचिन तेंदुलकर और सुरेश रैना ने शनिवार को विश्व कप को याद किया। विश्व कप जीत को याद कर तेंदुलकर ने ट्वीट किया, सपना कैसे शुरू हुआ और कैसे पूरा हुआ! वहीं सुरेश रैना ने कहा, एक टूर्नामेंट क्रिकेट विश्व कप 2011 जिसने भारतीय क्रिकेट के लिए सब कुछ बदल दिया, एक ऐसा पल जब हमारा सपना पूरा हुआ यह पल हमेशा हमारे दिल के करीब रहेगा।

युवराज सिंह ने कहा, यह सिर्फ एक विश्व कप जीत नहीं थी, यह एक अरब भारतीयों का सपना पूरा होने का सपना था। इस टीम का हिस्सा बनने पर गर्व है, जो देश के लिए कप जीतना चाहती थी। सचिन तेंदुलकर के लिए, तिरंगा पहनने और देश को गौरवान्वित करने के गौरव की बराबरी कोई नहीं कर सकता

बता दें कि भारत ने 1983 में कपिल देव के नेतृत्व में अपना पहला विश्व कप जीता था। फिर 2011 में दोबारा यह मौका आया। इस दौरान भारत ने क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया,तब सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वानखेड़े स्टेडियम की प्रत्येक सीट पर दर्शक थे। कुमार संगकारा के नेतृत्व में श्रीलंका ने भारत को 275 रनों का कड़ा लक्ष्य दिया। महेला जयवर्धने ने 103 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते भारत ने सहवाग 0, तब सचिन 18 के विकेट जल्द गंवा दिए। स्कोरबोर्ड 31/2 पर था जब गौतम गंभीर (97) और धोनी (91*) ने टीम को जीत तक पहुंचा दिया। भारतीय टीम ने 28 साल बाद विश्व कप ट्रॉफी जीती। धोनी मैन ऑफ द मैच बने, वहीं युवी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट।

भारत अब जर्मनी के खिलाफ 'डबल हेडर' 14-15 अप्रैल को खेलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। एफआईएच हॉकी पुरूष प्रो लीग में भारत और जर्मनी के बीच 'डबल हेडर' (दो मैच) मुकाबले शनिवार को पुनःनिर्धारित कर 14 और 15 अप्रैल को तय किए गए। पिछले महीने जर्मनी के दल में कोरोना मामले सामने आने के बाद इन्हें स्थगित कर दिया गया था। यह घोषणा हॉकी इंडिया को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ से मिली पुष्टि के एक दिन बाद की गई। भारतीय पुरूष टीम और जर्मनी को पहले 12 और 13 मार्च को एक दूसरे से खेलना था, लेकिन जर्मनी टीम के कई सदस्यों के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद इन्हें स्थगित कर दिया गया। ये मैच भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

पिछली बार दोनों टीमें टोक्यो ओलिम्पिक खेलों के कांस्य पदक मैच के दौरान एक दूसरे के आमने सामने हुई थीं,इसमें भारत ने रोमांचक मैच में 5-4 से जीत हासिल कर 41 साल के बाद ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल किया था। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोम्बाम ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय हॉकी प्रशंसकों में दोनों टीमों को खेलते देखने के लिए काफी उत्साह है क्योंकि दोनों टीमें टोक्यो ओलिम्पिक खेल 2020 के कांस्य पदक में एक दूसरे के सामने थीं।

कार्लोस अल्कराज मियामी ओपन के फाइनल में पहुंची

मियामी (ईएमएस)। विश्व के 15वें नंबर के टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज मियामी ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। सेमीफाइनल में उन्होंने गत विजेता ह्यूबर्ट हर्काज को सीधे सेटों में शिकस्त दी। कार्लोस ने मुकाबला 7-6, 7-6 से अपने नाम किया। खिताबी मुकाबले में उनके सामना कैस्पर रूड से होगा। जिन्होंने सेमीफाइनल में फ्रांस्सिको सेरंडोलो को शिकस्त दी। रूड ने भी उन्हे सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया। मियामी ओपन के इतिहास में कार्लोस अल्कराज दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं, जो फाइनल में पहुंचे हैं। प्रतियोगिता में सबसे कम उम्र में फाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड राफेल नडाल के नाम है। उन्होंने साल 2005 में खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। अल्कराज अगर खिताब जीतते हैं,तब वह सबसे कम उम्र में मियामी ओपन जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। कार्लस की उम्र 18 साल 333 दिन है।साल 2022 में उन्होंने शानदार टेनिस खेली है। वह अब तक 19 मैचों में से 17 जीत चुके हैं। इसके अलावा पिछले 24 मैचों में उन्होंने 22 मुकाबले जीतने में सफलता प्राप्त की है।

इस सेमीफाइनल मुकाबले में कार्लोज अल्कराज ह्यूबर्ट हर्काज पर भारी पड़े। हालांकि हर्काज ने भी उन्हें कड़ी टक्कर दी। कार्लोस ने पहला टेस 7-6 से अपने नाम किया। वहीं दूसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। अल्कराज ने दूसरे सेट में भी हर्काज को 7-6 से हराया। मियामी ओपन के पहले सेमीफाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड ने फ्रांस्सिको सेरंडोलो के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की।बेहतरीन फॉर्म में चल रहे रूड ने अपने प्रतिद्वंदी को टिकने नहीं दिया। उन्होंने पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी रूड ने जबरदस्त खेल दिखाकर सेरंडोलो पर 6-1 से जीत दर्ज की।

उमेश यादव ने पूरी की पावरप्ले में विकेटों की फिफ्टी, नोबाल से जुड़ा एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी बनाया

मुंबई (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने पंजाब किंग्स के अलावा भी अपनी शानदार लय जारी रखी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पहले गेंदबाजी करने उतरी कोलकाता को उमेश यादव ने मयंक अग्रवाल का विकेट दिलाकर शानदार शुरूआत दिलाई। उमेश ने इसी के साथ पावरप्ले में अपने 50 विकेट भी पूरे कर लिए। उमेश के अलावा इस लिस्ट में भुवनेश्वर कुमार (51), संदीप शर्मा (52), जहीर खान (52) का भी नाम है। उमेश ने इसी के साथ आईपीएल का एक शर्मनाक रिकॉर्ड में भी एंट्री मार ली।

आईपीएल में नो बॉल फेंकने वाले बॉलरों की लिस्ट में उमेश अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा नो बॉल जसप्रीत बुमराह (27) ने फेंकी हैं। इसके बाद श्रीसंथ (23) का नाम आता है। उमेश यादव अब अमित मिश्रा और ईशांत शर्मा के साथ 21 नो बॉल के साथ बराबरी पर आ गए हैं। उल्लेखनीय है कि उमेश के नाम पर आईपीएल में सबसे ज्यादा बाऊंड्रीज खाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले अब तक 513 बाऊंड्रीज खाई हैं। इस लिस्ट में पीयूष चावला 501 विकेट के साथ दूसरे तो डीजे ब्रावो 474 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर है। अन्य गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार (473), प्रवीण कुमार (442), हरभजन सिंह (441), अमित मिश्रा (404), रविंद्र जडेजा (400), लासिथ मलिंगा (400), रवि अश्विन (397) भी शामिल हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2022- मेसी-लेवानडॉस्की के बीच होगा जबरदस्त मुकाबला

- एक ही ग्रुप में स्पेन और जर्मनी

दोहा (ईएमएस)। जोशीले खेल फुटबाल के फीफा वर्ल्ड कप2022 का धमाल नवंबर-दिसंबर में कतर में होना है। इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ घोषित कर दिया गया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 21 नवंबर को होगी। 18 दिसंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। पहली बार खाड़ी देश को टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगे और इन्हें 8 ग्रुप में बांटा गया है। यूक्रेन पर हमला करने की वजह से रूस इस वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले पाएगा। 2010 वर्ल्ड कप की चैंपियन स्पेन और 2014 की चैंपियन जर्मनी की टीम एक ही ग्रुप में है। दोनों टीमें ग्रुप ई में हैं। इस ग्रुप में एशिया की टॉप टीमें में शामिल जापान भी है। इक्वाडोर, सेनेगर और नीदरलैंड्स के साथ मेजबान कतर ग्रुप ए में है। कतर ने इससे पहले वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लिया है। इस बार मेजबान होने की वजह से उसे सीधे एंट्री मिली। ग्रुप बी में इंग्लैंड के साथ अमेरिका और इरान है। ग्रुप की चौथी टीम वेल्स, स्कॉटलैंड या यूक्रेन होगी। डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस ग्रुप डी और 5 बार की चैंपियन ब्राजील ग्रुप जी में है।

इस वर्ल्ड कप के ग्रुप मुकाबले में लियोनेल मेसी और रोबर्ट लेवानडोस्की की भी भिड़ंत होगी। मेसी की अर्जेंटीना और लेवानडोस्की की पोलैंड ग्रुप सी में है। मेसी ने लेवानडोस्की को मात देकर बैलन डी ओर का खिताब जीता था। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल ग्रुप ए में है।

फीफा वर्ल्ड कप के ग्रुपः
ग्रुप एः कतर, इक्वाडोर, सेनेगल, नीदरलैंड्स
ग्रुप बीः इंग्लैंड, इरान, अमेरिका, वेल्स/स्कॉटलैंड/यूक्रेन
ग्रुप सीः अर्जेंटीना, सउदी अरब, मैक्सिको, पोलैंड
ग्रुप डीः फ्रांस, डेनमार्क, टयूनीशिया, ऑस्ट्रेलिया/पेरू/यूएई
ग्रुप ईः स्पेन, जापान, जर्मनी, न्यूजीलैंड/कोस्टा रिका
ग्रुप एफः बेल्जियम, कनाडा, मोरोक्को, क्रोएशिया
ग्रुप जीः ब्राजील, सर्बिया, स्विट्जरलैंड, कैमरुन
ग्रुप एचः पुर्तगाल, घाना, उरुग्वे, दक्षिण कोरिया

महिला विश्व कप : आज फाइनल में आमने-सामने होगी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को आईसीसी महिला विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के सामने उतरेगी। जिसमें वह सातवीं ट्राफी जीतकर अपने दबदबे को कायम रखना चाहेगी लेकिन पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी के सामने उसकी यह डगर आसान नहीं होगी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने अलग-अलग तरीके से फाइनल में प्रवेश किया। गत चैम्पियन इंग्लैंड ने टूर्नामेंट के शुरूआती तीन मैच गंवाने के बाद वापसी कर लगातार पांच मैचों में जीत हासिल कर खिताबी भिड़ंत सुनिश्चित की। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने लगातार जीत के सिलसिले को जारी रखते हुए 11 मैचों में फतह हासिल की और अब वह रिकॉर्ड सातवें विश्व खिताब को अपने नाम करने की कोशिश में है। दोनों टीमों ने पिछले 11 विश्व कप में मिलाकर 10 खिताब हासिल किए हैं, लेकिन दिलचस्प बात है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया 34 साल में पहली बार आईसीसी विश्व कप फाइनल में एक-दूसरे का सामना करने वाले हैं। दोनों टीमों ने करीब एक महीने पहले हैमिल्टन में अपना अभियान शुरू किया और वे साथ ही टूर्नामेंट का समापन करेंगी, जिसमें से एक के हाथ में ट्राफी होगी। ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ एक ही विश्व कप फाइनल गंवाया है, जो 2000 में हुआ था और रविवार को हेगले ओवल में होने वाले फाइनल से वहां जगह ज्यादा दूर नहीं है। लिंकन के बर्ट सुटक्लिफ ओवल में आस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट के अब तक के करीबी फाइनल में न्यूजीलैंड से महज चार रन से हार का सामना किया था। उस साल इंग्लैंड का विश्व कप में सबसे खराब प्रदर्शन रहा था जिसमें वह पांचवें स्थान पर रही थी।, लेकिन फिर 2009 में वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया से ट्राफी छीनी थी।

यह साल इंग्लैंड के लिए शानदार रहा था जिसमें उसने पहला और एकमात्र टी20 विश्व कप जीता और साथ ही एशेज भी जीती थी। अब यही चीज ऑस्ट्रेलिया 13 साल बाद करना चाहेगी क्योंकि टीम पहले ही 2020 में अपनी सरजमीं में टी20 ट्राफी हासिल कर चुकी है और फरवरी में दो मैच रहते ही उसने एशेज भी जीत ली थी। उप-कप्तान रशेल हेन्स के पास 2013 विजेता पदक भी है और वह प्रतियोगिता के रिकॉर्ड की ओर बढ़ रही हैं। इस सलामी बल्लेबाज ने टूर्नामेंट में 429 रन बना लिए हैं, वह न्यूजीलैंड की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ डेबी हॉकले के 1997 में बनाए गए रिकॉर्ड से महज 27 रन पीछे हैं।

रविवार को सिर्फ यही रिकॉर्ड दाव पर नहीं लगा हुआ हैं, बल्कि स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन के पास भी ऑस्ट्रेलिया की लिन फुलस्टन को पीछे छोड़ने का मौका होगा, जिन्होंने 1982 में 23 विकेट झटके थे। एक्लेस्टोन के 20 विकेट हैं, जिसमें सोफी ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण अफ्रीका पर सेमीफाइनल में मिली जीत में पांच विकेट चटकाने का कारनामा हासिल किया। उन्होंने 36 रन देकर छह विकेट चटकाए जो विश्व कप में किसी इंग्लैंड की गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व कप में 22 साल में पहली बार इंग्लैंड को हराया जिससे गत चैम्पियन को पहले तीन मैच में तीन हार मिली जिससे उसके लिये बचे हुए चार मैच 'करो या मरो' के बन गए। उसने सभी मैच जीते, पहले उसने भारत को हराया और फिर इसके बाद न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और बांग्लादेश पर जीत दर्ज कर नॉकआउट में प्रवेश किया। नॉकआउट 2017 के सेमीफाइनल का दोहराव था जिसमें उसे दक्षिण अफ्रीका से भिड़ना था।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को आसानी से हराकर अपने पांचवें विश्व कप की उम्मीद कायम रही जिसके लिए एक्लेस्टोन ने कप्तान हीथर नाइट के नेतृत्व की प्रशंसा भी की। नाइट के पास भी लगातार ट्राफियां दिलवाने वाली इंग्लैंड की पहली कप्तान बनने का मौका होगा। ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंड एलिस पैरी फाइनल में अपना स्थान हासिल करेंगी जो पीठ की समस्या के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाई थीं।

रुस - यूक्रेन के बीच युद्ध विराम ?

- रुसी सेना वापिस होगी, नाटों से संबंध नहीं रखेगा यूक्रेन

मास्को(ईएमएस)।रुस की सेना सुनियोजित रुप से यूक्रेन से पीछे हट रही है। रुस सुनियोजित रणनीति के तहत यूक्रेन पर कब्जा करने के स्थान पर यूक्रेन को यूरोपीय एवं नाटों देशो से दूरी बनाने एवं रुस के साथ यूक्रेन के राजनायिक एवं सुरक्षा के संबंध बनाकर अमेरिका को गहरी मात देने की रणनीति पर काम कर रहा है।

रुस के इस रुख को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेस्की ने स्वीकार कर लिया है। जिससे सुरक्षा गारंटी एवं स्वतंत्रता बनाये रखने के लिए रुसी सेना की वापसी यूक्रेन के लिए सम्मानजनक समझौता होने से अब युद्ध विराम की दिशा में दोनों देश आगे बढ रहे हैं।

यूक्रेन के साथ रुस ने सुरक्षा एवं नवनिर्माण में यूक्रेन को मदद देने का भरोसा भी दिया है। अमेरिका एवं नाटों संगठन देशों द्वारा यूक्रेन को इस लड़ाई में साथ नहीं दिए जाने से जेलेस्की के सामने कोई विकल्प भी नहीं बचा था। अमेरिकी प्रतिबंधों का कोई प्रभावी असर नहीं होने से यूक्रेन हथियार डालने विवश है। वहीं रुस पड़ोसी देशों को अमेरिकी छत्रछाया से बाहर निकालने में सफल होता दिख रहा है।

यूक्रेन को 30 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त सैन्य उपकरण देगा अमेरिका

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका रक्षा विभाग ने कहा है कि वह यूक्रेन के सुरक्षा बलों को रूसी सेना से देश की रक्षा के लिए सैन्य उपकरणों के लिए अतिरिक्त 30 करोड़ डॉलर की मदद देगा। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने अपने एक बयान में कहा कि सैन्य उपकरणों में लेजर निर्देशित रॉकेट प्रणालियां, मानवरहित विमान, बख्तरबंद वाहन, अंधेरे में देखने वाले उपकरण और गोला बारूद शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें चिकित्सा आपूर्ति और अतिरिक्त पुर्जे भी शामिल हैं। किर्बी ने कहा कि नया पैकेज अमेरिकी सेना के भंडार से निकले उपकरण देने के बजाय यूक्रेन को नई क्षमताएं देने के लिए एक अनुबंधित प्रक्रिया की शुरुआत है। अमेरिका ने रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन को 1.6 अरब डॉलर से अधिक की सुरक्षा सहायता मुहैया कराई है।

गुजरात ने दिल्ली को 14 रन से हराया, दर्ज की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के 10वें मुकाबले में पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में दिल्ली और गुजरात की टीमें आमने सामने थी। दिल्ली के कप्तान रिषभ पंत ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। शुभमन गिल के 84 रन की पारी के दम पर गुजरात ने 6 विकेट पर 171 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में दिल्ली की टीम 9 विकेट पर 157 रन ही बना पाई। 14 रन से मुकाबला अपने नाम करते हुए टूर्नामेंट में दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत में फुर्ग्युसन के 28 रन देकर 4 विकेट और शमी के 30 रन देकर 2 विकेट अहम रहे।

गुजरात से मिले 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को टिम सेइफर्ट के रूप में पहला झटका लगा। 3 रन बनाकर हार्दिक पांडया की गेंद पर वह मनोहर को अपना कैच दे बैठे। दूसरे ओपनर पृथ्वी शा को लोकी फुर्ग्युसन ने विजय शंकर के हाथों 10 रन पर कैच करवाया। ओवर की पांचवीं गेंद पर मनदीप को भी 18 रन के स्कोर पर फुर्ग्युसन ने अपना शिकार बनाया। ललित यादव अच्छा लय में नजर आ रहे थे लेकिन मनोहर की शानदार थ्रो की वजह से उनको 25 रन पर रन आउट होकर वापस लौटना पड़ा।

कप्तान रिषभ पंत ने टीम को एक छोर पर संभाले रखा और 43 रन बनाए लेकिन लोकी फुर्ग्युसन ने अहम पड़ाव पर उनको मनोहर के हाथों कैच करवाया। दो लगातार चौका लगाने के बाद अक्षर पटेल इसी ओवर में अपना विकेट गंवाया। इसके बाद शार्दुल ठाकुर को राशिद खान ने अपने स्पेल की आखिरी गेंद पर कैच कर वापस जाने पर मजबूर कर दिया। मोहम्मद शमी ने 18 ओवर में दो विकेट चटकाए पहले रोवमैन को कैच किया फिर खलील अहम दो विकेट के पीछे कैच करवाते हुए दिल्ली की जीत की उम्मीद लगभग खत्म की।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ओवर की तीसरी ही गेंद पर मुस्ताफिजुर रहमान ने ओपनर मैथ्यू वेड को विकेट के पीछे 1 रन पर कप्तान रिषभ पंत के हाथों कैच करवाया। पिछले मैच में मैन आफ द मैच रहे कुलदीप यादव ने अपने ओवर की पहली गेंद पर ही विजय शंकर को क्लीन बोल्ड कर दिया। 13 रन के स्कोर पर वह चारो खाने चित होकर वापस लौटे। इस मैच के लिए गुजरात की टीम ने कोई बदलाव नहीं किया है जबकि दिल्ली ने प्लेइंग इलेवन में कमलेश नागरकोटी की जगह मुस्ताफिजुर रहमान को जगह दी है।

इमरान सरकार पर मंडराया संकट, कल पेश होगा अविश्वास प्रस्ताव

-हारने पर इस्तीफा दे सकते हैं पीटीआई सदस्य

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में अस्थिरता से जूझ रही इमरान खान सरकार पर संकट के बादल मंडरा रहे है। खबरों के अनुसार 3 अप्रैल को यानी कल पाकिस्तान की संसद में इमरान खान सरकार के खिलाफ सुबह 11:30 बजे अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जाएगा। इससे पहले इमरान खान अपनी जान को खतरे की आशंका जता चुके हैं। जानकारी के अनुसार कि प्रधानमंत्री इमरान खान इस सुझाव पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं कि अगर अविश्वास प्रस्ताव में वह विफल होते हैं तो उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (झ्ऊछ) के सभी सदस्यों को अपना इस्तीफा देना चाहिए।

वहीं पाकिस्तान की बार काउंसिल ने कहा है कि इमरान खान सरकार अविश्वास प्रस्ताव में देरी कर रही है। इस संबंध में चीफ जस्टिस को संज्ञान लेना चाहिए। दूसरी ओर विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने कहा है कि अगर देश एकजुट और दृढ़ है तो उसके सामने कोई बाधा नहीं टिक सकती। उनका कहना है कि कायद-ए आजम की 'काम, काम, काम' गाइड देश के लिए आत्मनिर्भर और उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी ताकतों को एकजुट करके आगे बढ़ने के लिए एक प्रकाश दिखाने वाली है। वहीं पीएमएल-एन के नेता मिफ्ताह इस्माइल ने पाकिस्तान में नई सरकार की संभावना जताते हुए कहा है कि पाकिस्तान की नई सरकार पहले इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) कार्यक्रम पर फिर से बातचीत करेगी। उन्होंने दावा किया है कि पाकिस्तान के नए वित्त मंत्री 18 अप्रैल को वॉशिंगटन में आईएमएफ के साथ इस मुद्दे पर बैठक करेंगे। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान में नई सरकार बनने पर आईएमएफ से अगले 6 महीने में बचा हुआ 3 अरब डॉलर का फंड देने के लिए कहेगी। उन्होंने यह भी कहा है कि शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली नई सरकार देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के लिए एक स्पष्ट बदलाव करेगी।

वहीं पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल बाजवा का कहना है कि पाकिस्तान खेमे की राजनीति में विश्वास नहीं करता और सभी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में स्थिरता और शांति जरूरी है। रविवार को संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पर होने वाले मतदान से पहले इमरान खान ने मीडिया से कहा कि ताकतवर सेना ने उन्हें तीन विकल्प दिए हैं-अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान का सामना करने, समय से पहले चुनाव कराने या प्रधानमंत्री के तौर पर इस्तीफा दे देने। प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा, 'मैंने कहा कि समय से पहले चुनाव कराना सबसे अच्छा विकल्प फ्रछ्रह्न इस्तीफा देने के बारे में कभी नहीं सोच छ्वदृछ्ठ+ु अविश्वास प्रस्ताव के लिए, मुझे विश्वास है कि मैं आखिरी मिनट तक मुकाबला करूंगा।'

भारत और रूस के बीच रुपया-रूबल समझौते को लेकर टेंशन में आया अमेरिका

वॉशिंगटन (ईएमएस)। भारत और रूस के बीच हुए रुपया-रूबल समझौते को लेकर अमेरिका तनाव में आ गया है। भारत ने रूस से पेट्रोल-डीजल और गैस की खरीदारी के लिए एक डील साइन की है। लेकिन, रूस के ऊपर लगे आर्थिक प्रतिबंधों के कारण भारत चाहकर भी डॉलर में भुगतान नहीं कर सकता है। जिसकी तोड़ निकालते हुए दोनों देशों ने एक दूसरे की मुद्रा में भुगतान करने का फैसला किया है। अब अमेरिका को डर है कि रुपया-रूबल डील से रूस के ऊपर लगे प्रतिबंध कमजोर पड़ सकते हैं और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ऐसी ही डील दूसरे देशों के साथ भी कर सकते हैं। बस इसी बात को लेकर अमेरिका लगातार भारत को चेतावनी दे रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि भारत को रूस के साथ अपने संबंधों का उपयोग यूक्रेन के खिलाफ आक्रामकता को रोकने के लिए करना चाहिए। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि कई देश रूसी संघ के साथ अपने संबंधों की दुहाई दे रहे हैं। नेड प्राइस ने कहा, 'हम चाहते हैं कि अन्याय, उकसावा, पहले से नियोजित, हिंसा की इंतहा के खिलाफ भारत जैसे देशों समेत सभी को इसे खत्म करने के लिए आगे आना चाहिए। हालांकि भारत अलग-अलग साझेदारों के साथ जो बातचीत कर रहा है उससे दुनिया के में थोड़ी असहजता है।

भारत-रूस संबंधों को लेकर अमेरिकी अधिकारियों के आक्रामक व्यवहार की यह सिर्फ एक झलक है। अमेरिका लगातार चाह रहा है कि भारत किसी भी तरह का संबंध रूस के साथ न रखे। इतना ही नहीं, भविष्य में भी दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य नहीं हों। प्राइस ने यह भी कहा कि कई ऐसे भी देश हैं जो रूसी संघ के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों के कारण बहुत अधिक लाभ उठाने के लिए अनैतिक तरीके अपना रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस बयान को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के भारत दौरे से जोड़कर देखा जा रहा है। लावरोव ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने मीडिया के सामने खुलकर कहा था कि रूस किसी भी समय भारत को कुछ भी देने को तैयार है। उन्होंने रूस-यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई को युद्ध कहने से इनकार करते हुए एक स्पेशल ऑपरेशन करार दिया। इस बातचीत के दौरान भारत ने रूस से तुरंत हमला रोकने और कूटनीतिक माध्यमों के जरिए विवादों का समाधान करने को कहा। लावरोव ने भी पीएम मोदी के साथ मुलाकात के दौरान ताजा हालात की जानकारी दी।

चीन में कोरोना से हालत हुए बद से बदस्तर, डिब्बे और कचरे के बैग में भरे जा रहे शव

चीन के आर्थिक शहर शंघाई में लॉकडाउन लगा दिया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में कोरोना की नई लहर से हालात फिर से खौफनाक हो रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है, कि चीनी प्रशासन ने शंघाई में लॉकडाउन लगा दिया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं, कि शंघाई के किसी भी अस्पताल में कोरोना संक्रमित मरीजों को भर्ती करने की जगह नहीं बची है। इसके बावजूद चीन का दावा है कि शंघाई में कोरोना संक्रमण से अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है। इस दौरान शहर में आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप्प हैं। विदेशों कों निर्यात होने वाले सामानों की सप्लाई रोक दी गई है। शंघाई के अधिकारी शहर में तेजी से फैलते संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार शंघाई के पूर्वी पुडोंग इलाके में स्थिति काफी गंभीर है। यह अस्पताल में काम करने वाले कुछ लोगों से बात कर कोविड के खतरनाक हालात के बारे में बताया। अस्पताल में काम करने वाले लोगों ने कहा कि वहां बुजुर्ग मरीजों का इलाज करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, इनमें से कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। शंघाई के सबसे बड़े अस्पताल की नर्स ने बताया कि तीन हफ्ते पहले फैसिलिटी में कोरोना के पहले मामले की पहचान की गई थी।

पहला मामला सामने आने के बाद शंघाई प्रशासन ने अस्पताल को आम लोगों के लिए बंद कर दिया है। तब से शंघाई नगरपालिका की रोग नियंत्रक टीमें अस्पताल से बाकी इलाके में संक्रमण को रोकने के लिए काम कर रही हैं। इस बीच चीनी सोशल मीडिया पर लोगों ने दावा किया कि उन्हें अपने परिजनों से मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दादी का इलाज करवा रहे आदमी ने कहा कि अस्पताल में भर्ती करवाने के बाद उनके बारे में जानकारी प्राप्त करना बहुत मुश्किल था। जब मृतकों के बारे में जानने के लिए स्थानीय शवदाह गृहों से भी संपर्क किया, तब सभी ने इससे इनकार किया कि उन्हें अस्पताल से किसी मरीज का शव भेजा गया है। पिछले हफ्ते अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में काम करने पहुंचे एक दूसरे कर्मचारी ने बताया कि उसने एक मरीज को मरते देखा है। कर्मचारी ने कहा कि मेरे एक साथी ने भी दूसरे मरीज की मौत की पुष्टि की थी। हालांकि, उन्होंने यह पुष्टि करने से इनकार किया कि इन मरीजों की मौत कोविड से हुई है या किसी दूसरी बीमारी से।

नर्स ने बताया कि वह क्वारंटाइन सेंटर जाने से पहले इसी अस्पताल में काम करती थी और रात में सोती भी थी। उसने बताया कि लगातार नए मामले बढ़ने के कारण हालात बद से बदतर होते चले गए। उसने दावा किया कि शंघाई सरकार के भेजे मेडिकल स्टाफ और विशेषज्ञ भी संक्रमित थे। उसने कहा कि पहले तो हम हमेशा की तरह काम करते रहे, लेकिन बाद में उन्होंने हर विभाग को बंद करना शुरू कर दिया। तब हमारे मैनेजर ने कहा कि हालात काफी खराब होते जा रहे हैं। कई मरीज थे, जो मास्क पहनने से भी इनकार कर रहे थे। एक और नर्स ने बताया कि जब वह अस्पताल पहुंची तब वहां चारों तरफ गंदगी फैली हुई थी। अस्पताल के अंदर बिखरे हुए डिब्बे और कचरे के भरे बैग नजर आ रहे थे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार समझौता किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया टेक्सटाइल, चमड़ा, आभूषण और खेल उत्पादों समेत 95 फीसदी से अधिक भारतीय वस्तुओं के लिए अपने बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डेन तेहान ने एक ऑनलाइन समारोह में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर दस्तखत किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरीसन भी मौजूद थे।

चीन की नई चाल- भारत को घेरने ट्रांस हिमालयी रेल परियोजना पर तेजी से कर रहा काम

काठमांडू (ईएमएस)। चीन की नई चाल से भारत को सतर्क होने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों में रेल संपर्क को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, चीन अपने रणनीतिक हितों को पूरा करने के लिए नेपाल-चीन रेलवे परियोजना को आगे बढ़ा रहा है। एक रिपोर्ट की माने तो चीन ने अपनी सीमाओं के भीतर रेल संपर्क पर तेजी से प्रगति की है और अब वह नेपाल की सीमा पर ट्रांस-हिमालयी रेलवे पर काम कर रहा है जो केवल रणनीतिक कदम है। काठमांडू में चीनी दूतावास ने कथित तौर पर नेपाली अधिकारियों को बताया कि बीजिंग प्रस्तावित चीन-नेपाल क्रॉस बॉर्डर रेलवे (सीएनआर) परियोजना के व्यवहार्यता अध्ययन के लिए सहायता की सुविधा के लिए एक उपकरण बना रहा है और इसपर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है, जो तिब्बत में केरोंग को काठमांडू से जोड़ता है।

जानकारों की माने तो इस रेल परियोजना का असली उद्देश्य चीन का रणनीतिक महत्व है क्योंकि इससे ज्यादा व्यापार की संभावना नहीं है। इसके जरिए चीन तेजी से सैनिकों को नेपाल की सीमा में घुसा सकता है और भारत को आंख दिखा सकता है। बता दें कि भारत और चीन के बीच लद्दाख में हुए सीमा विवाद के बाद से ही संबंध खराब चल रहे हैं। कई दौर की वार्ता के बाद भी कोई प्रत्यक्ष हल नहीं निकल पाया है। द एचके पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सीआरएफएसडीआई के अध्ययन का अनुमान है कि केरोंग-काठमांडू रेल ट्रैक को विकसित करने में नौ साल और 30 हजार करोड़ (2018 में नेपाल के कुल राजस्व के बराबर) लगेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि नेपाल की ओर लगभग 98 प्रतिशत रेलवे में सुरंग और पुल होंगे और इस परियोजना पर वर्तमान अनुमान से कहीं अधिक लागत आएगी। इसके साथ ही चीन को निवेश की वसूली के लिए न्यूनतम 40 वर्षों की आवश्यकता होगी।

बता दें कि ट्रांस-हिमालयन मल्टी-डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क (टीएचएमसीएन) जिसे ट्रांस-हिमालयी नेटवर्क के रूप में भी जाना जाता है, नेपाल और चीन के बीच एक आर्थिक गलियारा है। यह चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है जो विशेष रूप से पूरे यूरेशिया में कनेक्टिविटी विकसित करता है। गौरतलब है कि 2019 में नेपाल की राजकीय यात्रा के दौरान, इस कारिडोर पर चीनी राष्ट्रपति और कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव शी जिनपिंग ने नेपाल के साथ समझौता किया था। इस कारिडोर में कई परिवहन बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी शामिल होंगी।

मंगल ग्रह पर नासा रोवर ने रिकॉर्ड ध्वनि सुन, हैरान हुए वैज्ञानिक

पेरिस (ईएमएस)। पृथ्वी पर जीवन के बाद मंगल ग्रह में भी कुछ समानताएं के आधार संभावनाएं हैं। अब वैज्ञानिकों को मंगल ग्रह के बारे में ऐसी बात पता चली है, जिसने उन्हें हैरान कर दिया है। मंगल ग्रह पर जानकारी जुटाने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की तरफ से जो पर्सिवियरेंस मिशन भेजा गया था, उसे वहां पहली बार आवाज रिकॉर्ड करने में कामयाबी मिली है। यही नहीं, पर्सिवियरेंस के माइक्रोफोन ने वहां के वातावरण में दो फ्रीक्वेंसी की आवाजें दर्ज की हैं। आसान शब्दों में बताएं तो मंगल ग्रह पर आवाज की रफ्तार दो तरह की पाई गई है। साइंस जर्नल नेचर में शुक्रवार को प्रकाशित स्टडी में वैज्ञानिकों ने इसकी जानकारी देते हुए ये भी बताया कि इस दो तरह की आवाज के क्या-क्या असर हो सकते हैं।

ये हम जानते हैं कि हमारी पृथ्वी पर आवाज एक ही स्पीड में ट्रैवल करती है, वो है- 340 मीटर प्रति सेकंड। आप चाहे कहीं भी हों, आवाज एक ही रफ्तार में आपके पास तक आती है। लेकिन मंगल ग्रह पर ऐसा नहीं है। नासा के पर्सिवियरेंस रोवर में लगे ट्रांसमीटर ने मंगल ग्रह पर 240 मीटर प्रति सेकंड की स्पीड से आवाज रिकॉर्ड की। लेकिन वैज्ञानिक उस समय चौंक गए, जब उन्होंने वहां पर 250 मीटर प्रति सेकंड की आवाज भी सुनी। दरअसल पृथ्वी के मुकाबले मंगल ग्रह का वातावरण काफी अलग है, इसलिए दोनों जगहों पर साउंड की स्पीड में फर्क रहता है। पृथ्वी के वातावरण में कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा महज 0.04 प्रतिशत है, जबकि मंगल ग्रह पर यह 95 फीसदी है। इससे वहां आवाज 20 डेसिबल कम हो जाती है। इस बात का अंदाजा वैज्ञानिकों को पहले से था। लेकिन वैज्ञानिकों को जो बात सबसे ज्यादा हैरान कर रही है, वो है मंगल पर साउंड की अलग-अलग स्पीड।

नासा का पर्सिवियरेंस रोवर पिछले साल फरवरी में मंगल पर उतरा था। वह अपने साथ नन्हा सा हेलिकॉप्टर भी लेकर गया है। पर्सिवियरेंस में जूते के डिब्बे के साइज का माइक्रोफोन भी लगा है, जो वहां की आवाज रिकॉर्ड करता रहता है। इसने करीब 5 घंटे की आवाज रिकॉर्ड की है। वैज्ञानिकों ने इसके गहन अध्ययन से पाया कि जब हेलिकॉप्टर उड़ता है तो टक-टक जैसी आवाज आती है। रोवर से हेलिकॉप्टकर की दूरी और उससे आ रही आवाज के आधार पर वैज्ञानिकों ने उसकी रफ्तार का आकलन किया तो पता चला कि ये 240 मीटर प्रति सेकंड की स्पीड है। वहीं जब रोवर ने मंगल की सतह की खुदाई के लिए लेजर छोड़ी तो इस लेजर से निकली आवाज की रफ्तार 250 मीटर प्रति सेकंड मापी गई। नेचर मैगजीन में वैज्ञानिकों ने बताया कि आवाज की इस अलग-अलग रफ्तार के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि मान लीजिए पृथ्वी पर आप किसी कॉन्सर्ट में म्यूजिक सुनते हैं तो आप चाहें कहीं भी हों, आवाज आप तक एक जैसी स्पीड में पहुंचती है। इससे आपको आवाज में उतार-चढ़ाव महसूस नहीं होता। लेकिन मंगल ग्रह पर ऐसा नहीं होगा। वहां आप स्टेज से जितना दूर होंगे, आवाज आप तक उतनी ही देर में पहुंचेगी। इसका मतलब ये हुआ कि अगर कोई दो लोग वहां 5 मीटर की दूरी से बातचीत करेंगे, तब भी उन्हें एकदूसरे की बात सुनने और समझने में मुश्किल आ सकती है।

दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या एक लाख के पार

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के कारण मरने वाले लोगों की संख्या एक लाख को पार कर चुकी है। लेकिन, वैज्ञानिकों द्वारा आगामी सर्दियों के मौसम में महामारी की पांचवीं लहर आने की चेतावनी देने के बावजूद सरकार लॉकडाउन संबंधी पांबदियों को जल्द समाप्त करने की तैयारी कर रही है। द.अफ्रीका में संक्रामक रोगों के राष्ट्रीय संस्थान ने बताया कि महामारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर अब 1,00,020 हो गई है। उप राष्ट्रपति डेविड माबुजा ने संसद को बताया कि सरकार कोविड से जुड़ी तमाम पाबंदियां जल्द ही समाप्त करने की योजना बना रही है और देश में अनिवार्य रूप से कोविड-19 टीकाकरण नीति पेश करने की कोई योजना नहीं है।

डीमेट अकाउंट होल्डर्स के लिए राहत! सेबी ने बढ़ाई केवाईसी की डेडलाइन 30 जून तक बढ़ाई

मुंबई (ईएमएस)। शेयर बाजार में निवेश या फिर ट्रेड करने वालों के लिए राहत की खबर है। अगर आपने अपना डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट का केवाईसी नहीं कराया है, तब अब आपके पास 30 जून 2022 तक का समय है। दरअसल, मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी (सेबी) ने मौजूदा डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट के केवाईसी करने की डेडलाइन को तीन महीने के लिए बढ़ाकर 30 जून 2022 तक कर दी है। पहले ये डेडलाइन 31 मार्च 2022 थी। सर्कुलर के मुताबिक, बगैर केवाईसी वाले डीमैट अकाउंट को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया गया था। लेकिन सेबी और एमआईआई के साथ बातचीत के आधार पर डेडलाइन को 30 जून 2022 तक के लिए बढ़ाया गया है।ये वन टाइम एक्सटेंशन है। जो डीमैट अकाउंट होल्डर्स अब तक अपने डीमैट अकाउंट का केवाईसी नहीं करा सके हैं उन्हें केवाईसी कराना होगा।

केवाईसी कराने के लिए डीमैट अकाउंट होल्डर्स को 6 अहम जानकारियां शेयर करनी होंगी। इसमें आपका नाम, पैन कार्ड नंबर, पता (एड्रेस), मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और इनकम रेंज शामिल हैं। वहां निवेशक, जो कस्टोडियन सर्विसेज इस्तेमाल कर रहे हैं उनके लिए कस्टोडियन डिटेल्स देना भी जरूरी है। अगर डेडलाइन तक ये सभी जानकारी अपडेट नहीं होती हैं,तब निवेशक का एक्सचेंज ट्रेड अकाउंट भी सस्पेंड होगा।

निवेशक डीमैट अकाउंट के केवाईसी अपडेशन के लिए स्टॉक ब्रोकर से संपर्क कर सकते हैं। वे डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के माध्यम से भी केवाईसी अपडेट करवा सकते हैं। निवेशकों को इस बात की सलाह दी गई है कि वहां डिपॉजिटरी और एक्सचेंज की गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन करें।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 617.648 अरब डॉलर हुआ

मुंबई (ईएमएस)। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट आई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर घटकर 617.648 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व 18 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.597 अरब डॉलर घटकर 619.678 अरब डॉलर रह गया था। इससे पूर्व 11 मार्च, 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशीमुद्रा भंडार 9.646 अरब डॉलर घटकर 622.275 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के घटने की वजह से आई जो कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। आंकड़ों के अनुसार 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में एफसीए 3.202 अरब डॉलर घटकर 550.454 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 43.241 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.821 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.132 अरब डॉलर रह गया।

चीन की अमेरिका को दो टूक, नाटो को खत्म कर देना चाहिए

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिका पर यूक्रेन में युद्ध भड़काने का आरोप लगाकर चीन ने कहा कि सोवियत संघ के विघटन के बाद नाटो को खत्म कर देना चाहिए था। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजान ने कहा, यूक्रेन संकट के गुनाहगार और मुख्य साजिशकर्ता अमेरिका ने 1999 के बाद पिछले दो दशकों में पूर्व की ओर विस्तार के पांच दौरों में नाटो की अगुवाई की। उन्होंने कहा, नाटो के सदस्यों (सदस्य देशों) की संख्या 16 से बढ़कर 30 हो गई और वे 1000 किलोमीटर से भी आगे बढ़ते हुए कहीं न कहीं रूस सीमा के समीप पहुंच गए और एक-एक कदम उठाकर रूस को धकिया दिया।' झाओ का बयान उस समय में आया है, जब चीन और यूरोपीय संघ के नेता सम्मेलन के लिए डिजिटल तरीके से बैठक कर रहे हैं। इस सम्मेलन में यूक्रेन का मुद्दा छाने की संभावना है।

यूरोपीय संघ के अधिकारियों का कहना है, कि वे चीन से इस वादे की उम्मीद कर रहे हैं, कि वह प्रतिबंधों को कमजोर नहीं करेगा और लड़ाई को रोकने के प्रयासों में सहायता करेगा। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता शू च्वेथिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका के बीच बड़े साझा हित हैं। दोनों पक्षों के लिए सहयोग ही एकमात्र सही विकल्प है। इस दौरान उन्होंने चीन-अमेरिका आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों के बारे में कई सवालों का जवाब दिया। अमेरिकी फेडरल कम्युनिकेशंस कमिशन (एफसीसी) ने 25 मार्च को चाइना टेलीकॉम (अमेरिका) और चाइना मोबाइल इंटरनेशनल (यू.एस.ए.) लिमिटेड को 'अविश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं की सूची' में शामिल करने की घोषणा की। शू च्वेथिंग ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा का सामान्यीकरण करता है। अमेरिका बिना किसी तथ्यात्मक आधार के तथाकथित 'अविश्वसनीय आपूर्तिकर्ता सूची' में चीनी कंपनियों को शामिल करता है। चीन इसका कड़ा विरोध करता है।

कोरोना के नए वैरिएंट एक्सई की आहट से दुनिया में मचा हड़कंप

-डब्ल्यूएचओ बोला, ओमीक्रोन से 10 फीसदी ज्यादा संक्रामक

जिनेवा (ईएमएस)। वैश्विक महामारी कोरोना के तीसरी लहर के सुस्त पड़ने के बाद अब एक नए वेरिएंट ने दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि कोरोना के नए वेरिएंट का नाम एक्सई है। प्रारंभिक अध्ययनों से संकेत मिला है कि एक्सई वेरिएंट के संक्रमण की रफ्तार बीए.2 वेरिएंट की तुलना में करीब 10 फीसदी ज्यादा है। डब्लूएचओ के अनुसार, अब तक कोविड के तीन हाइब्रिड या रिकॉम्बिनेंट स्ट्रेन का पता चला है, जिसमें से पहला- एक्सडी, दूसरा- एक्सएफ और तीसरा- एक्स ईआई। इनमें से पहले और दूसरे वेरिएंट डेल्टा और ओमीक्रोन के कॉम्बिनेशन से पैदा हुए हैं, जबकि तीसरा ओमीक्रोन सबवेरिएंट का हाईब्रिड स्ट्रेन है। ब्रिटेन की ब्रिटिश हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी के हाल के एक अध्ययन से पता चला है कि वर्तमान में 3 हाईब्रिड कोविड वेरिएंट चल रहे हैं। इसमें डेल्टा और बीके.1 के कॉम्बिनेशन से पैदा हुए दो अलग-अलग वेरिएंट एक्सडी और एक्सएफ हैं, जबकि तीसरा एक्सई है। इनमें से एक्सडी फ्रेंच डेल्टा वेरिएंट एक्स बीए.1 वंश का नया सदस्य है। इसमें इसमें बीए.1 का स्पाइक प्रोटीन और डेल्टा का जीनोम होता है। वर्तमान में इसमें 10 से ज्यादा सिक्वेंस शामिल हैं।

वहीं, एक्सएफ ब्रिटिश डेल्टा गुणा बीए.1 वंश से संबंधित हैं। इसमें बीए.1 का स्पाइक और स्ट्रक्चरल प्रोटीन होते हैं लेकिन डेल्टा के जीनोम का 5 वां हिस्सा ही होता है। एक्सई वेरिएंट भी ब्रिटिश डेल्टा बीए.1 गुणा बीए.2 वंश से संबंधित है। इसमें बीए.2 से स्पाइक और स्ट्रक्चरल प्रोटीन होते हैं लेकिन इसमें भी बीए.1 के जीनोम का 5वां हिस्सा ही होता है। इसमें वर्तमान में सैकड़ो सिक्वेंसेज मौजूद हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना के एक्सई वेरिएंट को लेकर चेतावनी दी है। डब्लूएचओ ने कहा कि एक्सई वेरिएंट के बारे में पहली बार यूनाइटेड किंगडम में 19 जनवरी को पता चला था। अभी तक इसके 600 सिक्वेंसेज की रिपोर्ट आई है और पुष्टि भी हुई है। शुरुआती अध्ययनों के अनुसार, एक्सई वेरिएंट बीए.2 की तुलना में 10 फीसदी ज्यादा संक्रामक है। हालांकि, इस वेरिएंट को लेकर हमें और ज्यादा अध्ययन करने की आवश्यक्ता है। प्रसिद्ध वायरोलॉजिस्ट टॉम पीकॉक ने कहा कि रिकॉम्बिनेंट वेरिएंट भी पहले के वेरिएंट के जैसे ही खतरनाक हो सकते हैं। इनमें एक ही वायरस (जैसे एक्सई या एक्सएफ) से स्पाइक और संरचनात्मक प्रोटीन होते हैं। इनमें से एक्सडी सबसे अधिक चिंता वाला वेरिएंट लग रहा है। इस वेरिएंट से संक्रमित मरीज जर्मनी, नीदरलैंड और डेनमार्क में मिल चुके हैं।

गुजरात सरकार जीव मात्र के प्रति दया एवं करुणा की परम्परा को समर्पित : मुख्यमंत्री

- गौमाता पोषण योजना' घोषित करने के लिए भूपेंद्र पटेल का अभिवादन समारोह

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि गुजरात सरकार जीव मात्र के प्रति दया एवं करुणा की परम्परा का समर्पित है। पटेल रविवार को अहमदाबाद में आयोजित अपने अभिवादन समारोह में बोल रहे थे। 'मुख्यमंत्री गौमाता पोषण योजना' घोषित करने के लिए जैन संघों, गौशालाओं तथा पिंजरापोलों द्वारा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का यह अभिवादन समारोह आयोजित किया गया था। अभिवादन समारोह में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट मत व्यक्त किया कि जीवदया केवल प्रवृत्ति नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा हो; ऐसा जीवन जीना समय की मांग है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गाय माता की महिमा का हमारी संस्कृति में भी वर्णन किया गया है। ऐसे में गौमाता सहित समस्त मूक पशुधन के प्रति सेवा, करुणा एवं संवेदना को राज्य सरकार ने प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि मूक पशुओं को उनकी पीड़ाओं से मुक्त करने के लिए वर्ष 2002 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'पशु स्वास्थ्य मेलों' का आयोजन शुरू किया था। यही सिद्ध करता है कि उनके हृदय में मूक पशुओं के लिए अपार प्रेम है। गुजरात सरकार ने इस प्रक्रिया को कार्यरत् रखा है और लाखों पशुओं को उनकी शारीरिक पीड़ाओं से मुक्त किया है। उन्होंने कहा कि गौहत्या प्रतिबंध अधिनियम गुजरात लेकर आया। इसमें कई अड़चनें आईं, परंतु राज्य सरकार की इच्छा शक्ति के चलते हमें सफलता मिली है। विधानसभा में पशु नियंत्रण अधिनियम लाने को लेकर कुछ तत्व पशुधन से जुड़े समाज में राज्य सरकार के विरुद्ध भाँति-भाँति का दुष्प्रचार करने का प्रयास कर रहा है, जो दुःखद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'प्रजा के लिए क्या अच्छा हो सकता है?' इसका निरंतर चिंतन ही हमारा कर्म मंत्र है। राज्य सरकार इस दिशा में परिणामोन्मुखी कार्य कर रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार अंतिम छोर के मानव के कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत् है।

इस अवसर पर राज्य के शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने कहा कि आज के दिन एक अनूठा संयोग बन रहा है। आज हिन्दू नव वर्ष तथा चैत्री नवरात्रि का आरंभ हो रहा है और जीवदया अभिवानद समारोह हो रहा है। यह ईश्वर का संयोग ही हो सकता है। वाघाणी ने महाजन की व्याख्या देते हुए कहा कि जो सेवा भाव तथा निःस्वार्थ भाव से काम करे और समाज उसे स्वीकार करे, वही महाजन। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले शासन के 200 दिवस पूरे हुए हैं। इन 200 दिनों में राज्य की जनता की सुख-सुविधा के लिए अनेक निर्णय लेकर तथा जनकल्याणकारी नीतियाँ बना कर भूपेंद्र लोकप्रिय बने हैं। 200 दिनों में भूपेंद्र ने 61000 किलोमीटर की यात्रा की और 300 से अधिक बैठकें की हैं। वाघाणी ने कहा कि भूपेंद्रभाई द्वारा 'मुख्यमंत्री गौमाता पोषण योजना' घोषित किए जाने से नई पिंजरापोलों का निर्माण हो सकेगा और नए पशुओं का भी रखरखाव (निर्वहन) हो सकेगा।

सरकार मुझे नो रिलीजन नो कास्ट सर्टिफिकेट जारी करे

-गुजरात की ब्राह्मण महिला ने की हाईकोर्ट से अजीब मांग

सूरत (ईएमएस)। गुजरात की एक महिला ने राज्य के हाई कोर्ट से एक अजीब तरह की मांग की। महिला ने कोर्ट में मांग की है कि सरकार उसे नो कास्ट, नो रिलिजन का प्रमाणपत्र जारी करे। 36 वर्षीय यह महिला सूरत की रहने वाली है जिसका नाम काजल गोविंदभाई मंजुला है। जिन्होंने अपने वकील धर्मेश गुर्जर के द्वारा इस संबंध में कोर्ट में एक याचिका दाखिल की है।

याचिका में यह कहा गया है कि मद्रास हाई कोर्ट के स्नेहा प्रथिबराजा केस की तर्ज पर उन्हें भी नो कास्ट नो रिलिजन सर्टिफिकेट जारी किया जाए। दरअसल काजल मंजुला मूल रूप से गुजरात के एक ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जिन्होंने 'नो रिलिजन-नो कास्ट' सर्टिफिकेट के लिए 30 मार्च को गुजरात हाईकोर्ट में अपनी याचिका दाखिल की थी। मंजुला का कहना है कि समाज में जाति व्यवस्था के चलते उन्हें कई सारी समस्याओं से जूझना पड़ा है जिसके चलते उसने यह याचिका दायर की।

अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद में रोड शो कर जनता से मांगा 5 साल का एक अवसर

अहमदाबाद (ईएमएस)। पंजाब फतह करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने अब गुजरात का रुख किया है शनिवार को आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूर्वी अहमदाबाद में रोड शो शक्ति प्रदर्शन किया' जाग गया भाई जाग गया आम आदमी जाग गया' जीत गया भाई जीत गया आम आदमी जीत गया पहले लड़े थे गोरों से अब लड़ेंगे चोरों से भ्रष्टाचार का एक ही हाल, केजरीवाल केजरीवाल' जैसे नारों के साथ अरविंद केजरीवाल ने रोड शो किया अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात और गुजरातियों के प्रेम और सम्मान के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ गुजरात में पेपर लीक होना मानो एक फैशन बन गई है इस लिकेज को बंद करना जरूरी है गुजरात में हर जगह लीकेज है शिक्षा बिक रही है उन्होंने कहा कि कमल का फूल कीचड़ में उगता है और कीचड़ को साफ करने के लिए हमेशा झाड़ू की जरूरत पड़ती है भ्रष्टाचार के इस कीचड़ को साफ करने के लिए गुजराती हाथ में झाड़ू पकड़े यह अब जरूरी हो गया है केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हमने भ्रष्टाचार खत्म किया पंजाब में भगवंत मान ने गिनती के दिनों में ही भ्रष्टाचार का सफाया कर दिया गुजरात में पिछले 25 सालों से भाजपा सत्ता में है, इसके बावजूद भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है किसी पार्टी के खिलाफ बोलने नहीं आया, बल्कि यह कहने आया हूं कि मुझे भी एक अवसर दें मैं गुजरात और गुजरातियों को जिताने आया हूँ हमें केवल 5 वर्ष दो और अगर आप को हमारी सरकार पसंद नहीं आए तो बदल देना उन्होंने कहा कि हम जो तिरंगा लेकर आए हैं वह लोगों में राजनीति नहीं बल्कि देशभक्ति है दिल्ली में हमने स्कूल और अस्पताल में सुधार किया है बिजली 24 घंटे दी जाती है पंजाब में प्राइवेट स्कूलें अब फीस में एक रुपया भी नहीं बढ़ा पाएगी 25 हजार नई नौकरियां सृजन किया है भगवंत मान ने कहा कि खोडियार माता के हमें आशीर्वाद प्राप्त हैं हमारी लड़ाई में खोडियार माता हमें शक्ति दे यही उनसे प्रार्थना है गुजरातियों में देशभक्ति में कोई कमी नहीं है भीड़ और तिरंगा अरविंद केजरीवाल के लिए कोई नई बात नहीं है दिल्ली और पंजाब तो हमने जीत लिया है अब गुजरात हमारी लक्ष्य है केजरीवाल के रोड शो में हजारों की संख्या लोग तिरंगे के साथ शामिल हुए रोड शो में गुजरात प्रदेश आप के प्रमुख गोपाल इटालिया और इशुदान गढवी समेत पार्टी नेता शामिल हुए दूसरी ओर भाजपा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल के रोड में पैसे देकर लोगों की भीड़ जुटाई गई और इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया है

वडगाम के पूर्व विधायक भाजपा में शामिल होंगे, पहले की थी पीएम मोदी से मुलाकात

अहमदाबाद (ईएमएस)। बनासकांठा जिले की वडगाम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक मणिभाई वाघेला भाजपा में शामिल होंगे भाजपा में शामिल होने से पहले मणिभाई वाघेला ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की है पूर्व विधायक मणिभाई वाघेला ने नवंबर 2021 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था 35 वर्षों तक कांग्रेस में सेवा करनेवाले पूर्व विधायक और उत्तर गुजरात के दिग्गज नेता मणिभाई वाघेला ने भाजपा का भगवा धारण करने की तैयारी कर ली है मणिभाई के राजनीतिक अनुभव की बात करें तो उन्होंने तहसील स्तर से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस की सेवा की है वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के कैबिनेट मंत्री को हराकर विधायक बने थे दलबदल की मौसम के दौरान भी कांग्रेस से मजबूती के साथ जुड़े रहने वाले मणिभाई वाघेला से केन्द्रीय नेतृत्व ने प्रभावित होकर उन्हें दिल्ली बुलाकर सम्मान किया था कांग्रेस ने वर्ष 2017 के चुनाव में वाघेला को वडगाम से दोबारा टिकट देने का वादा किया था लेकिन बाद में उन्हें टिकट नहीं दी इसके बावजूद वाघेला पार्टी के प्रति वफादार रहे और वडगाम से निर्दलीय उम्मीदवार जिग्नेश मेवाणी का समर्थन किया लगातार अवगणना से नाराज होकर नवंबर 2021 को मणिभाई वाघेला ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और वह जल्द ही भाजपा में शामिल हो जाएंगे बता दें कि बनासकांठा जिले के वडगाम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से जिग्नेश मेवाणी मौजूदा विधायक हैं वर्ष 2017 में पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ने वाले जिग्नेश मेवाणी ने भाजपा उम्मीदवार को 18 हजार से भी अधिक वोटों से मात दी थी

सरदार के दिखाए मार्ग पर राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहा सरदार धामः मुख्यमंत्री

- सरकारी सेवा में नियुक्ति पाने वाले 1116 अधिकारियों का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि सरदार धाम शिक्षा संस्थान ने समाज निर्माण से राष्ट्र निर्माण का जो ध्येय संजोय है, वह आज पूरा होता दिखाई दे रहा है। सरदार धाम सरदार पटेल के दिखाए मार्ग पर राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहा है, जिसका आनंद है। भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद सरदार धाम शिक्षा संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर सरकारी सेवा में नियुक्ति पाने वाले लगभग 1116 अधिकारियों के रविवार को आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सरकारी सेवा में नियुक्ति पाने वाले अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा,'' नरेंद्र मोदी ने सरकारी कर्मचारियों के लिए कर्मयोगी शब्द प्रयोग किया है। ऐसे में आप सभी को अब कर्म करना है और अपने कार्य में कर्मयोग का भाव चरितार्थ करना है। आप सभी को आपके पास आने वाले हर छोटे से छोटे व अंतिम छोर के व्यक्ति को ध्यान में रख कर अपने कर्तव्य तथा निष्ठा से उनके हर कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करना है और गुजरात को प्रगति के पथ पर ले जाना है।'' भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सफल हुए प्रत्याशियों को अपनी सफलता गाथा समाज के अन्य विद्यार्थियों को बता कर उन्हें प्रेरित तथा प्रोत्साहित भी करना चाहिए। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने कहा कि सफल हुए प्रत्याशियों को सत्ता या कुर्सी का मोह रखे बिना निष्ठा एवं प्रामाणिकतासे अपने हर कार्य को करते हुए देश के विकास में भागीदार बनना चाहिए। वाघाणी ने उपस्थित महानुभावों के समक्ष मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार द्वारा 200 दिन पूर्ण किए जाने के विषय में विस्तृत कार्यविवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री विनोद मोरडिया, सरदार धाम-अहमदाबाद के अध्यक्ष गगजी सुतरिया, सरदार धाम के संस्थापक न्यासी दिलीप पटेल, किरीट पटेल, प्रशांत वाछाणी तथा गुणवंत सोजित्रा भी उपस्थित रहे।

गुजरात में चुनाव से पहले बड़ा फेरबदल, 77 आईपीएस का तबादला, 20 पदोन्नत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया है राज्य में लंबे समय से पुलिस बेड़े में तबादले और पदोन्नति की प्रतीक्षा की जा रही है आज राज्य के गृह विभाग ने 577 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है साथ ही 20 अधिकारियों को पुलिस उपाधीक्षक से बतौर पुलिस अधीक्षक पदोन्नत किया है मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की सरकार में पहली बार अधिकारियों का ट्रांसफर और प्रमोशन किया गया है इससे पहले कोरोनाकाल और विधानसभा सत्र के कारण ट्रांसफर और प्रमोशन रुका पड़ा था हालांकि अब विधानसभा का सत्र पूरा हो चुका है और कोरोना भी नियंत्रण में है इसलिए अब 77 आईपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर और प्रमोशन का आदेश जारी किया गया है राज्य के ज्यादार जिलों की कमान संभाल रहे पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है चुनावी साल में पुलिस अधिकारियों का ट्रांसफर और प्रमोशन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है पुलिस अधिकारियों का तबादलों को लेकर समय से पहले राज्य में चुनाव की चर्चा तेज हो रही है यह बात आज से नहीं बल्कि पिछले काफी समय से खासकर पांच राज्यों के चुनाव नतीजे सामने आने के बाद से ही गुजरात विधानसभा के चुनाव समय से पहले कराए जाने की अटकलें तेज हो गई थीं हालांकि भाजपा नेताओं का कहना है कि राज्य में समय से पहले चुनाव कराने की कोई योजना नहीं है भाजपा कार्यकर्ता भी यही बात कर रहे हैं, लेकिन भाजपा की तैयारियों से राज्य में जल्द चुनाव के संकेत मिल रहे हैं

मास्क से मुक्ति पर बोले राज्य के स्वास्थ्य मंत्री- लोग पहले ही इसे तिलांजलि दे चुके हैं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात समेत देशभर में कोरोना के नए मामले लगातार घट हैं देश के तीन राज्यों में लोगों को मास्क से मुक्ति मिल गई है केन्द्र सरकार ने देश में सोशल डिस्टेंस और मास्क को छोड़ कोरोना के अन्य नियमों से लोगों को मुक्ति दे दी है गुजरात में अब भी मास्क लगाना अनिवार्य है मास्क के सवाल पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि लोग पहले ही इसे तिलांजलि दे चुके हैं बता दें कि दिल्ली, महाराष्ट्र और तेलंगाना सरकार ने अपने राज्यों के लोगों को मास्क से मुक्ति दे दी है ऐसे में गुजरात के लोगों को मास्क से मुक्ति मिलेगी? इस संदर्भ में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री से सवाल किया गया था जिसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुजरात में कोरोना सिंगल डिजिट में आ गया है और प्रशासन मास्क से मुक्ति का ऐलान करे, उससे पहले ही लोगों ने स्वयं मास्क लगाना बंद कर दिया है नियम हो या नहीं लोगों ने सोशल डिस्टेंस को भी खत्म दिया है उन्होंने कहा कि छोटे-बड़े कार्यक्रमों में अब न तो लोग सोशल डिस्टेंस के नियमों का पालन कर रहे हैं और न ही मास्क लगाना जरूरी समझ रहे हैं

गुजरात में कोरोना के केवल 64 एक्टिव केस, रिकवरी रेट 99.10 प्रतिशत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या केवल 64 रह गई है राज्य में रिकवरी रेट 99.10 प्रतिशत पर पहुंच गया है शनिवार को राज्यभर में कोरोना के केवल 11 नए मामले सामने आए, जबकि 16 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया राज्य में अब तक कोरोना से 1212916 लोग स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10942 मरीजों को कोरोना लील गया स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 4, आणंद में 2, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2, वलसाड में 2 और पंचमहल में 1 समेत राज्य में कोरोना के कुल 11 पॉजिटिव केस दर्ज हुए जबकि 30 जिले और 6 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में सामने नहीं आया 30 जिलों में अहमदाबाद, अमरेली, अरवल्ली, बनासकांठा, भरूच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी और वडोदरा शामिल हैं जबकि 6 कॉर्पोरेशन में भावनगर, गांधीनगर, जामनगर, जूनागढ़, राजकोट और सूरत कॉर्पोरेशन शामिल हैं फिलहाल राज्य में 64 एक्टिव केसों में 62 स्टेबल हैं और 2 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं शनिवार को राज्यभर में 27005 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया जिसमें 2208 लोगों को पहला और 10733 को दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय 418 किशोरों को पहली और 2249 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई 12 से 15 वर्षीय 6492 किशोरों को कोरोना पहला टीका लगाया गया जबकि 4905 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया राज्य में अब तक 106256687 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है

चेक रिटर्न केस में राजकोट की कोर्ट ने सजा सुनाई

राजकुमार संतोषी दोषी साबित होने पर एक वर्ष की सजा

कोर्ट ने ६० दिन में रकम वापस देने का आदेश दिया है और इसमें विफल जाए तो और एक वर्ष की सजा होगी

राजकोट, २ अप्रैल। दामिनी फिल्म का फेमस डॉयलोग तारीख पे तारीख मिलती है मगर इंसाफ नहीं मिलता याद होगा न फिल्म का संवाद लिखने वाला निर्देशक राजकुमार संतोषी के फिलहाल तो कोर्ट के चक्कर लगाने के दिन आये हैं। चेक रिटर्न केस में दोषी ठहराकर राजकोट कोर्ट ने उनको सजा का आदेश दिया है। फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी के खिलाफ राजकोट के पांचवें एडिशनल सीनियर सिविल न्यायाधीश एनएच वसवेलिया की कोर्ट में चला था। उन्होंने राजकुमार संतोषी को एक वर्ष की सजा और चेक की रकम के अनुसार मुआवजा ६० दिन में चुका देने का आदेश दिया गया है। यदि मुआवजे की रकम निश्चित समय में नहीं चुकाया तो और एक वर्ष की सजा का आदेश दिया गया है।

फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी ने अपने धंधे के विकास के लिए शिकायतकर्ता अनिलभाई धनराज जेठानी के साथ रिश्तों की वजह से अलग-अलग रकम उधार लिया था। २२.५० लाख रुपया वापस देने के लिए राजकुमार संतोषी ने तीन अलग-अलग चेक दिया था। जो चेक लिखने वाले के खाते में अपर्याप्त रकम होने की नोट के साथ बैंक में से वापस आया था।

जिसकी वजह से अनिलभाई ने वकील के द्वारा राजकुमार संतोषी को कानूनी नोटिस भेजा था। लेकिन उनके तरफ से कोई जवाब नहीं आने पर राजकुमार संतोषी के खिलाफ नेगोशियेबल इंस्ट्रुमेंट एक्ट के अनुसार राजकोट की कोर्ट में १७.५ लाख रुपया तथा ५ लाख की इस तरह दो अलग-अलग आपराधिक शिकायतें दर्ज की गई थी। दोनों केस एडिशनल सीनियर सिविल न्यायाधीश एनएच वसवेलिया की कोर्ट में चला था। आरोपी ने कोर्ट में दलील दी थी कि, शिकायतकर्ता ने मेरा कोरा चेक का दुरुपयोग किया है और मैंने रकम भुगतान कर दिया है, कोई वित्तीय व्यवहार बाकी नहीं है। यह केस के दौरान बैंक का सबूत लिया गया था। बैंक अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता की बात को समर्थन दिया गया था। शिकायतकर्ता ने दलील दी थी कि, आरोपी ने पहले दिए कई चेक भी रिटर्न हुए थे और उस समय में नए चेक बदलकर दिया गया था। केस की सुनवाई के दौरान फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी के वकील ने कहा कि, मेरा जिम्मेदार व्यक्ति है। हाल वह वृद्धावस्था में है और उनको कम से कम सजा दी जाए। दूसरी तरफ शिकायतकर्ता पक्ष ने विभिन्न कोर्ट के फैसले को लेकर कानूनी प्रावधान के अनुसार सजा होना जरूरी होने की पेशकश की थी। कोर्ट ने शिकायतकर्ता पक्ष की पेशकश को ध्यान में लेकर फिल्म निर्माता राजकुमार संतोषी को चेक रिटर्न के दोनों केस में जिम्मेदार ठहराकर एक वर्ष की कैद और चेक की रकम शिकायतकर्ता को ६० दिन में मुआवजा के तौर पर चुका देने का आदेश दिया। यदि वह रकम भुगतान नहीं करेंगे तो और एक वर्ष की सजा का आदेश दिया है।

अहमदाबाद के बोडकदेव में २५० करोड़ में प्लॉट बेचा गया

अहमदाबाद, २ अप्रैल। कोरोना काल के बाद रियल एस्टेट सेक्टर में फिर से तेजी देखने को मिल रही है। फिलहाल में ही क्रेडाई और गिहेड की रिपोर्ट के अनुसार, अहमदाबाद में नई घर की इंक्वायरी और खरीदी में जबरदस्त उछाल आया था। हालांकि इसके पीछे का एक कारण यह भी है कि बिल्डर्स और डेवलोपर्स की संस्था क्रेडाई द्वारा २ अप्रैल से प्रॉपर्टी की कीमत में प्रति वर्ग फीट पर ३०० से ५०० रुपये की वृद्धि करने की घोषणा की गई थी। इस दौरान अहमदाबाद के बोडकदेव क्षेत्र में एक प्लॉट २५० करोड़ रुपये में प्लॉट बेचे जाने की रिपोर्ट मिल रही है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष में जमीन का सबसे ज्यादा महंगा सौदा है। रियल एस्टेट क्षेत्र के सूत्रों के अनुसार बोडकदेव में एक १००,०० स्क्वेयर यार्ड के प्लॉट का फिलहाल में बिक्री हुई है।

जिसका सौदा २५० करोड़ रुपया या २.५ लाख प्रति वर्ग गज में किया गया था। यह प्लॉट माधव ग्रुप द्वारा खरीदे जाने का सामने आया है। रियल एस्टेट क्षेत्र के सूत्रों के बताया है कि यह वर्ष में अहमदाबाद में जमीन का यह सबसे बड़ा सौदा है। दूसरी तरफ माधव ग्रुप के मुख्य प्रमोटर अमित पटेल ने यह प्लॉट खरीदने का स्वीकार करते हुए कहा कि, हमने हाल में यह प्लॉट खरीदा है और इस पर आवास प्रोजेक्ट शुरू करने की योजना बनाई है। हम करीब २६० अपार्टमेंट के साथ ३०-३२ मंजिल की आवास इमारत बनाएंगे। यदि प्लॉट ने यह प्लॉट का सौदा कितने रुपय में हुए होने का जारी नहीं किया था। हां उन्होंने इतना जरूर बताया है कि यह प्रोजेक्ट का खर्च करीब ३५० करोड़ रुपया जितना होगा। रियल एस्टेट उद्योग के सूत्रों का कहना है कि शहर में लंबे समय के बाद इतना बड़ी जमीन का सौदा दर्ज हुआ है और इसकी वजह से मार्केट में फिर से तेजी देखने को मिलेगी यह कई जानकार मान रहे है।

पालनपुर-सामाख्याली सेक्शन पर दोहरीकरण कार्य गांधीधाम-जोधपुर एक्सप्रेस तथा भुज-बरेली एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित रहेंगी

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद मंडल के पालनपुर सामाख्याली सेक्शन के दियोदर-मीठा-भाभर-देवगाम-राधनपुर स्टेशनों के बीच दोहरीकरण के संबंध में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण गांधीधाम-जोधपुर- गांधीधाम एक्सप्रेस तथा भुज-बरेली-बरेली एक्सप्रेस ट्रेन प्रभावित रहेंगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

निरस्त ट्रेनें

1. दिनांक 4 और 6 अप्रैल 2022 को जोधपुर से चलने वाली ट्रेन संख्या 22483 जोधपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन निरस्त रहेगी।

2. दिनांक 5 और 7 अप्रैल 2022 को गांधीधाम से चलने वाली ट्रेन संख्या 22484 गांधीधाम - जोधपुर एक्सप्रेस ट्रेन निरस्त रहेगी।

डायवर्ट ट्रेनें

1. दिनांक 4 और 6 अप्रैल 2022 को बरेली से चलने वाली ट्रेन संख्या 14321 बरेली-भुज एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग पालनपुर-भीलडी-सामाख्याली की बजाय परिवर्तित मार्ग पालनपुर-महेसाणा-धांगधा-सामाख्याली होकर चलेगी।

2. दिनांक 04 और 07 अप्रैल 2022 को भुज से चलने वाली ट्रेन संख्या 14322 भुज-बरेली एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग सामाख्याली-भीलडी-पालनपुर की बजाय परिवर्तित मार्ग सामाख्याली-धांगधा-महेसाणा-पालनपुर होकर चलेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बीजेपी के गढ़ में सेंध लगाने पहुंचे केजरीवाल साबरमती में चलाया महात्मा गांधी का चरखा

अहमदाबाद (ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गुजरात दौरे पर हैं। इस दौरान उनके साथ पंजाब के नए सीएम भगवंत मान मौजूद हैं। शनिवार को दोनों नेता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने गांधी जी से जुड़ा चरखा भी चलाया। खास बात है कि इस साल के अंत में गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं। दोनों नेताओं के इस दौरे को चुनाव की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। केजरीवाल औ मान अहमदाबाद में साबरमती आश्रम पहुंचे। मान ने कहा, 'इस जगह पर आकर बहुत अच्छा लगा। यहां बहुत ही अलग एहसास होता है।' उन्होंने कहा, 'पंजाब में सभी के घर में एक चरखा है। हम गांधी जी से काफी जुड़े हुए हैं। हम राष्ट्रवादी लोग हैं, हमें अपने देश और लोगों से प्यार है।' मान के चेहरे के साथ पंजाब में उतरी आप ने 92 सीटें पर जीत हासिल की थी। वहीं, केजरीवाल ने भी विजिटर बुक में लिखा, 'इस आश्रम आध्यात्मिक जगह है। ऐसा लगता है कि यहां गांधी जी की आत्मा रहती है। यह आना एक आध्यात्मिक एहसास है। मैं खुद को धन्य मानता हूं कि मैंने उस देश में जन्म लिया, जहां गांधी जी का जन्म हुआ।' इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के राजनीति से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'हम इस जगह पर राजनीति के बारे में बात नहीं करेंगे। खास बात है कि राज्य में साल 1995 से ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। आप संयोजक ने बीते साल ही घोषणा कर दी थी पार्टी गुजरात की सभी 182 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। पार्टी ने 2022 की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव में अच्छी सफलता हासिल की है। एक ओर जहां आप ने पंजाब में सरकार बनाई। वहीं, गोवा में दो सीटों पर जीत के साथ खाता खोला। खबर है कि केजरीवाल शनिवार को अहमदाबाद में रोड शो कर सकते हैं।

ट्रैफिक तथा पावर ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें होंगी प्रभावित

अहमदाबाद (ईएमएस) दहानू रोड एवं घोलवड स्टेशनों के बीच सड़क ऊपरी पुल के निर्माण के लिए 3 और 4 अप्रैल, 2022 को ट्रैफिक तथा पावर ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों को रेगुलेट अर्थात कुछ समय के लिए रोका जाएगा और शॉर्ट टर्मिनेट अर्थात अंतिम स्टेशन से पूर्व समाप्त किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

3 अप्रैल, 2022 को प्रभावित ट्रेनें:

1. ट्रेन नंबर 22930 वडोदरा-दहानू रोड एक्सप्रेस को उमरगाम स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।

2. ट्रेन नंबर 12934 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस को 1.35 बजे उमरगाम स्टेशन पर रेगुलेट किया जाएगा।

3. ट्रेन संख्या 12489 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस को एक घंटा और दस मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

4. ट्रेन नंबर 82902 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस को 15 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

5. ट्रेन नंबर 22194 घोलवड़-दौंड सुपरफास्ट एक्सप्रेस 25 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

4 अप्रैल, 2022 को प्रभावित ट्रेनें:

1. ट्रेन नंबर 12936 सूरत-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस को उमरगाम स्टेशन पर 10 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

2. ट्रेन नंबर 09160 वलसाड-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 10 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी।

फार्मइझी (PharmEasy) ने आमिर खान को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया

अहमदाबाद : उपभोक्ताओं के लिए स्वास्थ्य सेवा 'सुपर ऐप', फार्मइझी (PharmEasy) ने अपना नवीनतम अभियान शुरू किया है, जिसमें बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान इसके ब्रांड एंबेसडर हैं! फार्मइझी ब्रांड का प्रबंधन एपीआय होल्डिंग्स लिमिटेड (API Holdings Limited) द्वारा किया जाता है।

इस सहयोग से स्वास्थ्य देखभाल के लिए फार्मइझी ब्रांड को देश भर में एक घरेलू नाम बनाना का लक्ष्य है। आमिर खान के साथ सहयोग करने से देश के कोने-कोने में स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने में ब्रांड के विश्वास को और मजबूती मिलेगी।

गौरव वर्मा, मुख्य मार्केटिंग अफसर, एपीआई होल्डिंग्स ने इस सहयोग के बारे में बात करते हुए कहा, ''आमिर खान जैसे बहुमुखी व्यक्ति के साथ सहयोग करने और उन्हें फार्मइझी ब्रांड के चेहरे के रूप में पेश करने में हमें बहुत खुशी हुई है। वह दर्शकों के साथ जुड़ना बोहत अच्छी तरह जानते है।''

आमिर खान ने इस सहयोग के बारे में बोलते हुए कहा, ''फार्मइझी ब्रांड के साथ मिलकर काम करके और हर घर तक किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करना वास्तव में मेरे लिए खुशी की बात है। मुझे लगता है कि आज के समय में, फार्मइझी ऐसे क्षेत्र में एक आवश्यक सेवा प्रदान कर रहा है, जो स्वयं हम सभी के लिए, एक मूलभूत आवश्यकता है, और मैं इस सहयोग के लिए तत्पर हूं।''

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद – कानपुर सेंट्रल के बीच सुपरफास्ट विशेष ट्रेन चला रहा है

ट्रेन सं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा के दिन	प्रस्थान	आगमन
01906	अहमदाबाद - कानपुर सेंट्रल	05.04.2022 से 28.06.2022	15.05 बजे (मंगलवार)	11.55 बजे (अगले दिन)
01905	कानपुर सेंट्रल - अहमदाबाद	04.04.2022 से 27.06.2022	15.35 बजे (सोमवार)	11.00 बजे (अगले दिन)

ठहराव : नडियाद जं., आनंद जं., छायापुरी, रतलाम जं., कोटा जं., गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, बयाना जं., रूपबास, फतेहपुर सीकरी, आगरा किला, टूंडला और इटावा स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना: ऐसी 2-टियर, ऐसी 3-टियर, शयनयान श्रेणी, सामान्य द्वितीय श्रेणी सीटिंग कोच

विस्तृत समय एवं ठहराव संबंधी जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in देखें

ट्रेन सं. 01906 की बुकिंग 03 अप्रैल 2022 से पीआरएस काउंटरों एवं IRCTC की वेबसाइट पर खुलेगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये के साथ चलाई जायेगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
Azadi Ka Amrit Mahotsav
facebook.com/WesternRly
twitter.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ रखें

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाश ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर यहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95